শর্মা হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 155 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 3 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

देश की आर्थिक स्थिति उथल-पुथल के दौर में : कांग्रेस — पेज 2
मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा की अध्यक्षता में भाजपा विधायकों की अहम बैठक — पेज 3
उत्कर्ष कोचिंग संस्थान के कई ठिकानों पर देशभर में छापेमारी — पेज 5
भारतीय ड्रेसिंग रूम से लीक खबरों पर कोच गंभीर बोले - ये केवल रिपोर्ट्स हैं... — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

खारघुली में पाइप लाइन फटने से तबाही शहर में तीन दिन तक पानी की आपूर्ति बाधित

गुवाहाटी। गुवाहाटी के खारघुली क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बड़ी पाइपलाइन फटने से अफरा-तफरी मच गई, जिसके कारण गुवाहाटी जल बोर्ड ने शहर की जलापूर्ति तीन दिनों के लिए बंद कर दी। सुबह करीब 10:15 बजे हुई इस घटना में 5 घरों, 7 वाहनों और कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचा, जिससे निवासियों को जलमग्न सड़कों से जूझना पड़ा और दैनिक जीवन बाधित हो गया। बताया जा रहा है कि पानी की तेज धार के कारण एक बच्चा घायल हो गया, जो आठ से नौ मीटर की ऊंचाई तक पहुंच गया। घायल बच्चे को तत्काल चिकित्सा सुविधा के लिए ले जाया गया और अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि उसकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। पुलिस और दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। हालांकि, अचानक पानी का बहाव बढ़ने से 40 मिनट से ज्यादा समय तक तबाही मची रही, जिसके बाद इसे नियंत्रित किया जा सका। स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) मंत्री जयंत मल्ल बरुआ ने जनता को आश्वासन दिया कि विशेषज्ञ पाइपलाइन फटने के कारण की जांच कर रहे हैं। बरुआ ने कहा कि इस घटना के पीछे कई कारण हो सकते हैं। हमारे विशेषज्ञ इस पर काम कर रहे हैं और हम जल्द ही अपने निष्कर्षों को सार्वजनिक करेंगे। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार इस पर विचार कर रही है। गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन ड्रिंकिंग वाटर एंड सीवेज बोर्ड के प्रबंध निदेशक पल्लव गोपाल झा ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के वैज्ञानिकों की सिफारिश के अनुसार पाइपलाइनों पर पानी के दबाव को कम करने के लिए सर्ज टैंक वेसल स्थापित किए थे और कल से तीन दिन के लिए पानी की आपूर्ति रोकने की योजना बनाई थी। दुर्भाग्य से, यह दुर्घटना पहले ही हो गई। झा को स्थानीय लोगों के साथ तीखी बहस का सामना करना पड़ा जिनके घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। उनकी चिंताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें मुआवजा तय करने से पहले नुकसान की सीमा का आकलन करने की जरूरत है। मैं इस मामले पर इंजीनियरों और जिला आयुक्त से चर्चा करूंगा। -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष ने इसे सरकार की विफलता बताया मानवाधिकार आयोग से हस्तक्षेप करने का किया आग्रह

गुवाहाटी। गुवाहाटी के खारघुली क्षेत्र में गुरुवार को पाइपलाइन फटने से मची तबाही की विपक्ष ने तीखी आलोचना की है और अब मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की सरकार को भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष के नेता और कांग्रेस सदस्य देवव्रत सैकिया शहर भर में ऐसी घटनाओं की बार-बार हो रही घटनाओं से चिंतित दिखे और उन्होंने इसे सरकार की स्पष्ट विफलता बताया। उन्होंने राज्य मानवाधिकार आयोग (एसएचआरसी) से स्थिति का स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया तथा शीघ्र जवाबदेही और कार्रवाई की मांग की। स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल का दौरा करने वाले सैकिया ने कहा कि मैं राज्य मानवाधिकार आयोग से इस घटना का स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध करता हूं। चूंकि ये घटनाएं बार-बार हो -शेष पृष्ठ दो पर

बढ़ती संपत्ति को लेकर गौरव गोगोई ने सीएम की आलोचना की

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री (सीएम) हिमंत विश्व शर्मा को देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों में से एक बताए जाने पर कटाक्ष किया। गोगोई ने कहा कि शर्मा ने वादा किया था कि विकास के मामले में असम भारत के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल होगा, लेकिन दूसरी ओर वह शीर्ष पांच सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों में से एक बनने की कगार पर हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में सबसे अमीर मुख्यमंत्री का दर्जा दिया गया। गोगोई ने एक्स पर लिखा कि भाजपा के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने वादा किया था कि असम विकास के मामले में -शेष पृष्ठ दो पर

असम पुस्तक मेले को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया

छह दिनों में दो करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री

गुवाहाटी। असम पब्लिशर्स एंड बुक सेलर्स एसोसिएशन और पब्लिकेशन बोर्ड असम द्वारा संयुक्त रूप से खानापारा स्थित कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस के खेल के मैदान में आयोजित असम पुस्तक मेले को पुस्तक प्रेमियों से असाधारण प्रतिक्रिया मिली है। अपने आरंभ के मात्र छह दिनों के भीतर ही इस आयोजन ने 2 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की है, जिससे यह एक उल्लेखनीय सफलता बन गई है। अकेले बुधवार को 70 लाख रुपए की किताबें -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

राजा, गुप्तचर और मंत्री तीनों का एक मत होना किसी भी मंत्रणा की सफलता है।

- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

चिन्मय कृष्ण दास को मिलेगी आजीवन कारावास सजा

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने हिंदू संत और इस्कॉन से जुड़े रहे चिन्मय कृष्ण दास को देशद्रोह के मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया। चिन्मय कृष्ण दास को सुनवाई के लिए अदालत नहीं लाया गया और वह ऑनलाइन माध्यम से अदालत की कार्यवाही में शामिल हुए। इस्कॉन के सदस्य रह चुके दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल -शेष पृष्ठ दो पर

स्पीड ब्रेकर से गुजरी एम्बुलेंस और डेडबॉडी में आ गई जान...

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए जाने के 15 दिन बाद एक व्यक्ति वापस घर लौट आया। पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के कसाबा-बावड़ा निवासी पांडुरंग उल्पे को 16 दिसंबर को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए -शेष पृष्ठ दो पर

अतुल बोरा ने अंतर-राज्यीय सीमा मुद्दों को हल करने के कदमों की समीक्षा की

गुवाहाटी। असम सरकार के सीमा सुरक्षा एवं विकास (बीपीडी) विभाग ने गुरुवार को पड़ोसी राज्यों के साथ असम के लंबे समय से चले आ रहे अंतर-राज्यीय सीमा मुद्दों को हल करने के उद्देश्य से की गई पहलों की प्रगति का आकलन किया। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए असम के मंत्री अतुल बोरा ने मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम जैसे पड़ोसी राज्यों के साथ लंबे समय से चले आ रहे अंतर-राज्यीय सीमा मुद्दों के समाधान के लिए उठाए गए कदमों की प्रगति का आकलन किया। बोरा ने बाद -शेष पृष्ठ दो पर

जो हमने गंवाया वो जल्द हासिल कर लेंगे

पीओके का नाम लिए बिना बोले अमित शाह

कश्मीर का नाम बदलने की तैयारी में मोदी सरकार

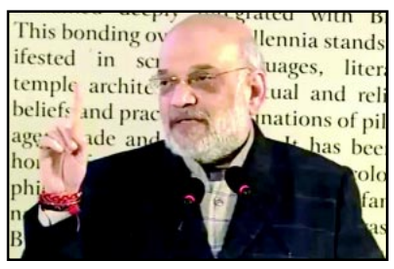

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने पीओके का नाम लिए बिना कहा कि जो हमने गंवाया वो जल्द हासिल कर लेंगे। शाह ने यह भी कहा कि अगर भारत को समझना है तो भारतीय दृष्टिकोण और हमारे देश को जोड़ने वाले तथ्यों को समझना होगा। उन्होंने इतिहास से हुई छेड़छाड़ के बारे में खुलकर अपनी बात रखी। शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के इतिहास के साथ यही हुआ। यहां किसने शासन किया, कौन रहा, किसने क्या अनुबंध किया... इसके आधार पर तथ्यों को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया। कश्मीर कहां था और लद्दाख कहां था... इसकी मीमांसा करना मेरे हिसाब से बेमानी है। उन्होंने कहा कि भारत के कोने-कोने में जो संस्कृति, भाषा, हमारी लिपियां, अध्यात्म के विचार, तीर्थस्थलों की कला, व्यापार और वाणिज्य बिखरा पड़ा है, वो कम से कम 10 हजार साल से कश्मीर में उपस्थित है। वहीं से देश के बहुत सारे हिस्से में आया। जब यह बात सिद्ध होती है तो कश्मीर का भारत के साथ जुड़ाव का प्रश्न ही बेमानी हो जाता है। उन्होंने कहा कि लगभग 8000 साल पुराने ग्रंथों में कश्मीर और झेलम का जिक्र है। तब यह -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव आज आएंगे असम

गुवाहाटी / नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव कल असम के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। अपने दौरे के दौरान मंत्री महोदय क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ाने तथा बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वैष्णव गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, जिनमें गुवाहाटी-न्यू लखीमपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस, न्यू बंगाईगांव-गुवाहाटी पैसेंजर ट्रेन और तिनसुकिया-नाहरलागुन एक्सप्रेस शामिल हैं। मंत्री महोदय गुवाहाटी के दिसपुर में तेतेलिया आरओबी (रोड ओवर ब्रिज) का भी लोकार्पण करेंगे। केंद्रीय मंत्री आकाशवाणी कोकराझार में 10 किलोवाट के एफएम -शेष पृष्ठ दो पर

जेल में अब नहीं चलेगा जातिवाद केंद्र सरकार का बड़ा कदम

नई दिल्ली। जेल में जातिवाद का जहर किस कदर हावी है, इस पर एक विस्तृत सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में अभी चंद महीने पहले हुई थी। अदालत ने तब जो फैसला दिया था, उसी की रौशनी में गृह मंत्रालय ने साल 2016 और 2023 के जेल मैनुअल और जेल सुधार सेवा कानून में संशोधन किया है। इसके जरिये हैबिचुअल ओफेंडर आदतन अपराधी की मौजूदा परिभाषा को बदल दिया गया है। सरकार की कोशिश है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जेलों में मौजूद जाति आधारित भेदभाव को दूर किया जा सके। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नए बदलाओं पर ध्यान देने -शेष पृष्ठ दो पर

संभल में कुआं और दो वट वृक्ष

शाही जामा मस्जिद में मिले मंदिर के *सबूत*

संभल। चंदौसी कोर्ट में शाही जामा मस्जिद के सर्वे की रिपोर्ट गुरुवार को दाखिल की गई। यह रिपोर्ट कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने बंद लिफाफे में सिविल जज आदित्य सिंह की कोर्ट में सौंपी। सुरक्षा कारणों से यह रिपोर्ट गुपचुप तरीके से दाखिल की गई। रिपोर्ट में शाही मस्जिद के अंदर हुए सर्वे का पूरा विवरण था, जिसमें साढ़े चार घंटे की वीडियोग्राफी और 1200 से अधिक फोटो शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शाही जामा मस्जिद के अंदर दो वट वृक्ष हैं, जो हिंदू धर्म में मंदिरों में पूजा जाते हैं। मस्जिद में एक कुआं भी है, जो आधा अंदर और आधा बाहर है। बाहर वाले हिस्से को ढक दिया गया है। इसके अलावा, मस्जिद में 50 से ज्यादा फूल के निशान मिले हैं और गुंबद के हिस्से को प्लेन कर दिया गया है। पुराने निर्माण में बदलाव के प्रमाण मिले हैं, और मंदिर के शेप को प्लास्टर और पेंट से ढक दिया गया है। गुंबद पर झूले की चेन लटकी हुई है, जो आमतौर पर मंदिरों में घंटों के लिए इस्तेमाल होती है। कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने बताया कि शाही जामा मस्जिद के -शेष पृष्ठ दो पर

नीतीश और तेजस्वी एक दूसरे के हाथ पकड़ते ही राजनीति में आई नई गर्माहट

पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर सियासी तापमान बढ़ गया है। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बीच राजभवन में हुई मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। आज पटना में बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव का आमना-सामना हुआ। जब तेजस्वी ने नीतीश को अभिवादन किया, तो मुख्यमंत्री ने उनका हाथ पकड़ लिया, जो राजनीति के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। इस मुलाकात से पहले लालू प्रसाद यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि नीतीश -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकियों के निशाने पर महाकुंभ

अघोरी बनकर घुस सकते हैं आतंकी...साधु बनकर तैनात होंगे पुलिसकर्मी

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ 6 जनवरी के शुरू होने वाला है, जहां पर लगभग 50 करोड़ श्रध्दालुओं के आने की संभावना है। वहीं दूसरी तरफ महाकुंभ को कुछ आतंकी संगठनों के द्वार टारगेट भी किया जा रहा है। दरअसल, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआईयू) ने यूपी के होम डिपार्टमेंट को एक गोपनीय रिपोर्ट भेजी है। जिसमें दावा किया गया है कि खालिस्तानी और पाकिस्तानी आतंकी, प्रॉक्सी नाम से महाकुंभ को टारगेट कर सकते हैं। सूत्रों से मिल रही जानकारी के हिसाब से रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि महाकुंभ में आतंकी साधु, श्रध्दालु या अघोरी किसी भी भेष में प्रवेश कर सकते हैं। सुरक्षा के नजर से ऐसे तत्वों से निपटने के लिए कुछ अनुभवी पुलिसकर्मी को भी साधु के भेष में तैनात किया जा रहा है जो कि गेरुआ वस्त्र धारण कर अपनी ड्यूटी करेंगे और आतंकी गतिविधियों पर नजर बनाए रखेंगे। आईबी और एलआईयू के द्वारा गृह विभाग को भेजे गए रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए डिपार्टमेंट ने अपने सभी विंग को एक्टिव कर दिया है। कुंभ मेले में एटीएस, आईबी, एसटीएफ, एलआईयू, बम डिस्पोजल स्क्वॉड और एनआईए की टीमें काम कर रही हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब और सतर्कता बरती जा रही है। मेले में आने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है और जांच भी की जा रही है। हर एंट्री पॉइंट पर रजिस्टर लेकर पुलिसकर्मी खड़े हैं। गाड़ी से मेले में आने वालों के नाम, पता व मोबाइल नंबर दर्ज किए जा रहे हैं। आधार कार्ड से उनका मिलान करवाया जा रहा है। जिन गाड़ियों पर संदेह हो रहा है, उनकी गहन जांच करवाई जा रही है। संदिग्ध -शेष पृष्ठ दो पर

नए साल में जमकर छलका जाम

एक दिन में 600 करोड़ की शराब गटक गए लोग

नई दिल्ली। नए साल 2025 का स्वागत देशभर में धूमधाम से किया गया, और इस जश्न का हिस्सा बनी शराब की बिक्री, जिसने सभी रिकॉर्ड्स तोड़ दिए। 31 दिसंबर को जब लोग नए साल के जश्न में डूबे हुए थे, वहीं शराब की बिक्री में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। खासतौर पर उत्तर प्रदेश में, जहां इस बार नए साल के मौके पर शराब की बिक्री 600 करोड़ रुपए तक पहुंच गई, और राज्य ने अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए एक नया मुकाम हासिल किया। नोएडा में भी शराब की बिक्री ने नया कीर्तिमान स्थापित किया, जहां 31 दिसंबर और 1 जनवरी को 16 करोड़ रुपए से ज्यादा की शराब बिकी। यह आंकड़ा पिछले साल से कहीं ज्यादा था, और आबकारी विभाग के अनुसार, शराब के ठेकों को एक घंटे का अतिरिक्त समय दिया गया, जिससे बिक्री में और इजाफा हुआ। दिल्ली में भी 400 करोड़ रुपए की शराब बिकी, जिसमें -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

देश की आर्थिक स्थिति उथल-पुथल के दौर में : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने कहा है कि देश की आर्थिक स्थिति उथल-पुथल के दौर में है। इसके लिए मोदी सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। उसके पास इसका कोई ठोस समाधान नहीं है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज यहां एक बयान में कहा कि देश के आम लोगों के जीवन में व्याप्त अव्यवस्था को सात संकेतकों के माध्यम से आंका जा सकता है। इनमें गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या में इजाफा और उसके एनपीए में आया उछाल प्रमुख है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गोल्ड लोन में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि इसके एनपीए में 30 प्रतिशत उछाल आया है। लोगों के घरों में जरूरत की चीजों की खरीद और सेवाओं में पिछली 8 तिमाहियों में गिरावट दर्ज की गई है यानि यह कोविड से पहले वाली स्थिति में नहीं पहुंच पाया है। खड़गे ने कहा कि कार बिक्री में वृद्धि पिछले चार साल के निचले स्तर पर आ गई है। पिछले 5 वर्षों (2019-2023) में इंजीनियरिंग, विनिर्माण, प्रक्रिया और बुनियादी ढांचा (ईएमपीआई) क्षेत्रों में वेतन में केवल 0.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से वृद्धि हुई है। पिछली आठ तिमाहियों में खाद्य मुद्रास्फीति औसतन 7.1 प्रतिशत रही है। आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी के रूप में अप्रत्यक्ष कराधान घरेलू बचत को कम कर रहा है जो 50 साल के निचले स्तर पर है। घरेलू वित्तीय देनदारियां अब जीडीपी का 6.4 प्रतिशत हैं, जो दशकों में सबसे अधिक है। रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे विदेशी फंड बाहर जाने को मजबूर हो रहे हैं और छोटे निवेशकों को लाखों करोड़ का नुकसान हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा इसके लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी आर्थिक नीतियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि मोदी जी आपके वार्षिक *नए साल के संकल्प* हर नागरिक के जीवन को नष्ट करने वाले जुमलों से कम नहीं हैं! पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने भी इन्हीं मुद्दों पर मोदी सरकार की घेराबंदी की है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री के *मंगलसूत्र* वाले बयान को उद्धृत करते हुए कहा कि हमने उसी दौरान गोल्ड लोन में तेजी से हुई वृद्धि का मुद्दा उठाया था। अनुमानित रूप से करीब 3 लाख करोड़ रुपए के गोल्ड लोन भारतीय परिवारों के पास हैं, जो आज तक बकाया हैं।

स्विट्जरलैंड ने बुर्का पर लगाया सख्त बैन कानून तोड़ने पर लगेगा मोटा जुर्माना

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड ने 1 जनवरी 2025 से सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का, हिजाब, या किसी भी तरीके से चेहरा पूरी तरह ढकने पर प्रतिबंध लागू कर दिया है। इस नए कानून के तहत नियम तोड़ने वालों पर 1000 स्विस फ्रैंक (करीब 96,000) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इस कानून के लागू होने के साथ ही स्विट्जरलैंड ऐसा कानून बनाने वाला यूरोप का सातवां देश बन गया है। इससे पहले फ्रांस, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, बुल्गारिया, और नीदरलैंड ने भी इसी तरह के कानून लागू किए हैं। 2021 में हुए जनमत संग्रह में 51.21 प्रतिशत स्विस नागरिकों ने बुर्के पर बैन के पक्ष में वोट दिया था। हालांकि यह फैसला नजदीकी था और स्विट्जरलैंड की 26 में से केवल 15 कांतों (राज्यों) ने इसे मंजूरी दी थी। 2022 में स्विट्जरलैंड की संसद के निचले सदन, राष्ट्रीय परिषद, में इस कानून को पेश किया गया। यहां इसे 151 वोट के भारी बहुमत से पारित किया गया। हालांकि, कुछ पार्टियों और नागरिक संगठनों ने इसका कड़ा विरोध किया था। कानून को 2023 में अंतिम मंजूरी मिली, और इसे 1 जनवरी 2025 से लागू कर दिया गया।

अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में एक अज्ञात व्यक्ति को बीमारी की हालत में भर्ती किया गया। 60 वर्षीय उस व्यक्ति का रंग काला और उसकी लंबाई साढ़े पांच फूट है। व्यक्ति के सिर पर चोट के निशान भी हैं। व्यक्ति की सोमवार सुबह 10 बजे इलाज के दौरान जीएमसीएच में मौत हो गई। मृत व्यक्ति की सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने व्यक्ति की पहचान नहीं की है। मृत व्यक्ति को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

बीएसएफ बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत में घुसने की सुविधा दे रही : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएसएफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि बीएसएफ बांग्लादेशी घुसपैठियों और गुंडों को भारत में प्रवेश की अनुमति दे रही है, जिससे राज्य में अशांति फैल रही है। ममता ने कहा कि केंद्र सरकार का यही उद्देश्य है, और बीएसएफ इस्लामपुर, सीताई और चोपड़ा बॉर्डर से बांग्लादेशी गुंडों को घुसपैठ करा रही है। ममता ने कहा कि बीएसएफ द्वारा महिलाओं के साथ अत्याचार भी किए जा रहे हैं, और यह बीएसएफ का काम है कि वह सीमा पर निगरानी रखें, न कि राज्य सरकार का। उन्होंने जिलाधिकारियों से यह सवाल भी किया कि यदि बीएसएफ द्वारा महिलाओं के साथ गलत किया जा रहा है तो उन्होंने विरोध क्यों नहीं किया। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से पत्र भेजने का भी इरादा व्यक्त किया और कहा कि वह बीएसएफ के कार्यों के खिलाफ आवाज उठाएंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि बीएसएफ का काम है अवैध घुसपैठ रोकना, लेकिन इसके बजाय यह बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारतीय सीमा में प्रवेश देने में मदद कर रही है। ममता के आरोपों पर बीएसएफ और केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए ममता ने कहा कि अगर बीएसएफ ने अपनी कार्रवाई में सुधार नहीं किया, तो तृणमूल कांग्रेस इसके खिलाफ प्रदर्शन करेगी।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

जोरहाट (हिंस)। टियक-सेलेंघाट रोड पर बुधवार रात एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। एएस-33ए-3801 नंबर की बोलेरो गाड़ी ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना में मृत व्यक्ति की पहचान अभिजीत चेतिया के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में रक्तिम फुकन, देबब्रत चेतिया और सीमांत बोरा शामिल हैं।

No.BDB/15th FC(General)/2024-25/2 *Dated Borobazar,the 2nd Jan.,2025*

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

Tender No. 3 of 2024-25

Sealed tender affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paise twenty-five) only with a validity period 90 days which will be subsequently to be covered and drawn up in the printed of F-2 Form are invited from the registered contractor Class-I (A, B, C) & Class-II categories, Assam, PWD (Road & Building) for the works under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024 -25 as stated below.

Package No.	Name of the work	Bid Value (in Rs.)	Earnest Money/ Bid Security (in Rs.)		Cost. of Bid
			General category	Reserved category	
1	2	3	4		5
1/4	Const. of community toilet at Kumarsali NELC	1047960.00	20960.00	10480.00	500.00
2/4	Const. of community toilet at Bodoland College, Ballamguri	1047960.00	20960.00	10480.00	500.00
3/4	Const. of community toilet at Ballamguri near Hospital	1047960.00	20960.00	10480.00	500.00
4/4	Const. of community toilet at Malipara near NGO Office	1047960.00	20960.00	10480.00	500.00

Detail NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. In case the office remain close on tender issuing/ receiving/opening date the same will be issued/received/opened on the next working day.

A. The Bid security amount as specified in the above table (Colmn 4) against the work should be deposited in the form of demand Draft/Banker's chaque in favour of Block Dev. Officer, Borobazar TD Block

B. The non refundable tender fee as specified in the above table (Column-5) against the work must be deposited in the form of demand Draft in favour of Principal Secretary, BTC, Kokrajhar payable at SBI, Kokrajhar

1. **Date of issue of Bid Document : 03/01/2025**
2. **Last date of issue and submission of Bid Document : 24/1/2025 up to 2.00 PM**
3. **Date of opening of Bid : 24/1/2025 at 2.30 PM**

Sd/-
Block Dev. Officer,
Borobazar T.D. Block

IPR(BTC)/C/2024-25/1221

पृष्ठ एक का शेष

खारघुली में पाइप ...

बोर्ड की सचिव पंचमी चौधरी ने कहा कि हालांकि पानी की आपूर्ति तुरंत रोक दी गई थी, लेकिन पाइपलाइनों में अभी भी पानी बचा हुआ था, जिससे प्रवाह को तुरंत नियंत्रित करना मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा कि हमने समय पर आपूर्ति बंद कर दी थी, लेकिन इसके बाद भी कुछ मिनट तक पानी बहता रहा। दिलचस्प बात यह है कि सुबह-सुबह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में गुवाहाटी जल बोर्ड ने जनता को सूचित किया था कि वह गुरुवार को खारघुली, जॉयपुर, रामसा हिल, हिरिंबापुर, सिलपुखुरी और दिघलीपुखुरी सहित अन्य क्षेत्रों में वितरण नेटवर्क की फ्लशिंग और परीक्षण करेगा। गुवाहाटी जल बोर्ड की पोस्ट में कहा गया है कि परीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर पानी का रिसाव हो सकता है, जिसे हमारी टीम तुरंत ठीक कर देगी। हम इस अभ्यास के दौरान सभी संबंधित पक्षों से सहयोग का अनुरोध करते हैं। पिछले कुछ सालों से गुवाहाटी में पानी की पाइपलाइन फटने की समस्या लगातार बनी हुई है। 2023 में, इसी खारघुली इलाके में एक ऐसी ही घटना में एक महिला की दुखद मौत हो गई थी। वह तेज पानी के बहाव में बह गईं और गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) द्वारा वित्त पोषित जल आपूर्ति परियोजना को दिसंबर 2022 में आंशिक रूप से चालू किया गया और गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित किया गया।

विपक्ष ने इसे ...

रही हैं, इसलिए इसमें कोई गंभीर मुद्दा अवश्य है; निश्चित रूप से किसी की गलती है। 2023 में इसी क्षेत्र में पाइपलाइन फटने से हुई मोहिनी बोड़ो की मौत को याद करते हुए सैकिया ने कहा कि उन्होंने पहले की घटना के बाद एसएचआरसी में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मैंने एसएचआरसी से शिकायत की थी। मैंने पूछा कि क्या रेडियोग्राफी परीक्षण किए गए थे और क्या ठेकेदार को उच्च दबाव वाले पाइपों के साथ काम करने का अनुभव था। हमें एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी (जेआईसीए) से धन मिल रहा है और मुझे यकीन है कि उनके पास मानक संचालन प्रक्रियाएं हैं। हमें पिछली गलतियों से सीखना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार ने कुछ भी नहीं सीखा है। शहरी मामलों के मंत्री जयंत मल्ल बरुआ के इस बयान पर कि विभाग को इस घटना के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, सैकिया ने टिप्पणी की कि मंत्री ने हाल ही में पदभार संभाला है, इसलिए उन्हें इस मुद्दे की पूरी जानकारी नहीं है। सैकिया ने कहा कि मंत्री बरुआ अभी इस जिम्मेदारी के लिए नए हैं। उन्हें इस पद पर आए एक महीने से भी कम समय हुआ है। यह परियोजना दिवंगत प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान शुरू हुई थी और आज भी अधूरी है। कांग्रेसी सैकिया ने अन्य स्रोतों से विशेषज्ञता प्राप्त करने के बजाय केवल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) से शोधकर्ताओं को लाने पर मुख्यमंत्री के जोर पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले साल मैंने सरकार को स्थिति का आकलन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की एक टीम लाने का सुझाव दिया था। मुख्यमंत्री आईआईटी शोधकर्ताओं पर अड़े हुए हैं, तो आईआईटी मुंबई से सलाह क्यों नहीं ली जाती? सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इस बीच, गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन ड्रिंकिंग वाटर एंड सीवेज बोर्ड के प्रबंध निदेशक पल्लव गोपाल झा ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि हमने पाइपलाइनों पर पानी के दबाव को कम करने के लिए आईआईटी के वैज्ञानिकों की सिफारिश के अनुसार सर्ज टैंक वेसल लगाए थे और कल से तीन दिन के लिए पानी की आपूर्ति रोकने की योजना बनाई थी। दुर्भाग्य से, यह दुर्घटना उम्मीद से पहले ही हो गई। दिलचस्प बात यह है कि गुवाहाटी जल बोर्ड ने पहले ही सोशल मीडिया पर जनता को गुरुवार सुबह खारघुली, जॉयपुर, रामसा हिल, हिरिंबापुर, सिलपुखुरी और दिघलीपुखुरी सहित क्षेत्रों में वितरण नेटवर्क की फ्लशिंग और परीक्षण करने की अपनी योजना के बारे में सूचित किया था।

बढ़ती संपत्ति को ...

भारत के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल होगा। इसके बजाय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद भारत के शीर्ष 5 सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों में से एक बनने की कगार पर हैं। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा कि एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा जारी शीर्ष 10 सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की सूची में पूर्वोत्तर भारत के चार एनडीए मुख्यमंत्री शामिल हैं, लेकिन मानव विकास सूचकांक रैंकिंग में उनके राज्य पीछे हैं। गोगोई ने पूछा कि भाजपा के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा 7वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं, जबकि असम यूएनडीपी एचडीआई इंडेक्स पर 31वें स्थान पर है। व्यक्तिगत संपत्ति और राज्य के विकास के बीच तीव्र अंतर को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि *विकास* केवल भाजपा के लिए है। क्या यही वह विकास है जिसका वादा डबल इंजन वाली भाजपा सरकार ने किया था? एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, जबकि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपए के साथ सबसे गरीब हैं। एडीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि शर्मा के पास लगभग 17 करोड़ रुपए की संपत्ति है और वह सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों में 9वें स्थान पर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपए है। जबकि भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपए थी, एक मुख्यमंत्री की औसत स्वयं की आय 13,64,310 रुपए है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू 332 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, कर्नाटक के सिद्धारमैया 51 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं। जम्मू -कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब व्यक्ति हैं और पिनाराई विजयन 1.18 करोड़ रुपए के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिद्धारमैया पर 23 करोड़ रुपए और नायडू पर 10 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारियां हैं।

छह दिनों में दो...

बिकीं, जिसमें सभी आयु वर्ग के करीब 50,000 पाठक शामिल हुए। असम पब्लिशर्स एंड बुक सेलर्स एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष धीरज गोस्वामी ने कहा कि इस साल की प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही, जो लोगों में साहित्य के प्रति प्रेम को दर्शाती है। कथा साहित्य और बच्चों का साहित्य सबसे ज़्यादा आकर्षण का केंद्र रहा, साहित्य अकादमी और नेशनल बुक ट्रस्ट के स्टॉल पर भी लोगों की अच्छी खासी भीड़ उमड़ी। अकेले प्रकाशन बोर्ड असम के स्टॉल पर 7 लाख रुपए से ज़्यादा की बिक्री दर्ज की गई। मेले का मुख्य आकर्षण *उन्नति* नामक सत्र था, जिसका उद्घाटन लेखक और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पार्थ सारथी महंत ने किया। पश्चिम बंगाल के प्रख्यात लेखक बिनोद घोषाल ने इस अवसर पर अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह मेला साहित्य प्रेमियों को एक साथ लाता है तथा असम की समृद्ध साहित्यिक संस्कृति को और मजबूत करता है।

अतुल बोरा ने ...

में सोशल मीडिया पर कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की राजनीतिक सद्भावना और समर्पित प्रयासों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के नेतृत्व के सक्रिय दृष्टिकोण के कारण, हम अंतर-राज्यीय सीमा क्षेत्रों में स्थायी शांति प्राप्त करने और तेजी से विकास को बढ़ावा देने के बारे में आशावादी हैं। ये प्रयास सीमाओं के दोनों ओर रहने वाले समुदायों के कल्याण को सुनिश्चित करेंगे। दूसरी ओर, बोरा ने असम समझौते के कार्यान्वयन (आईएए) विभाग की एक बैठक की अध्यक्षता की और असम समझौते के खंड 6 पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा समिति द्वारा प्रस्तुत 52 सिफारिशों को क्रियान्वित करने के लिए कार्य योजनाओं की समीक्षा की। असम समझौते के कार्यान्वयन (आईएए) विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक के दौरान, हमने समिति द्वारा प्रस्तुत 52 सिफारिशों को क्रियान्वित करने के लिए कार्य योजनाओं की जांच की। मैंने अन्य संबंधित सरकारी विभागों के साथ निरंतर समन्वय के माध्यम से इन प्रयासों को तेज करने के महत्व पर जोर दिया, ताकि तेजी से और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके, मंत्री, जिनके पास आईएए पोर्टफोलियो भी है, ने कहा। समीक्षा बैठक में आईएए और बीपीडी विभाग के प्रधान सचिव जीडी त्रिपाठी, बीपीडी विभाग की सचिव प्रभाती थाओसेन, बीपीडी निदेशक सुभालक्ष्मी डेका और आईएए विभाग की सचिव नीरा दाउलागुपु सहित दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जो हमने गंवाया ...

कोई नहीं कह सकता कि कश्मीर किसका है। कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग पहले भी था। आज भी है और हमेशा रहेगा। इसे कोई कानून की धाराओं से अलग नहीं कर सकता है। कानून की धारा का इस्तेमाल करके प्रयास भी किया गया था। आखिर में उस धारा को निरस्त कर दिया गया और सभी बाधाओं को दूर कर दिया गया। शाह ने कहा कि हमारे देश के सभी कोनों का इतिहास हजारों साल पुराना है। उन्होंने कहा कि उपनिवेशवाद का उद्देश्य भारत के वास्तविक इतिहास को मिटाना था। देश की एकता के बारे में एक झूठी कहानी गढ़ी गई। यह मिथक बनाया गया कि भारत कभी एकजुट नहीं था और आजाद देश का विचार ही बेमानी है। उन्होंने कहा कि उस समय कई लोगों ने इस कहानी को स्वीकार भी कर लिया था। शाह ने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान इतिहास में लिखी गई हमारे देश की परिभाषा उनके ज्ञान की कमी के कारण उपजी। दुनिया भर में देशों का अस्तित्व भू-राजनीतिक से सामने आया। इनका जन्म अक्सर युद्धों या समझौतों द्वारा निर्धारित सीमाओं से हुआ है। मगर भारत इस मायने में अद्वितीय है। भारत की एकता हमेशा इसकी संस्कृति पर आधारित रही है न कि इसकी भौगोलिक सीमाओं पर। गृह मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो *भू-सांस्कृतिक* देश है। इसकी सीमाएं संस्कृति के कारण परिभाषित की जाती हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी, गांधार से ओडिशा और बंगाल से असम तक हम अपनी संस्कृति के कारण जुड़े हैं। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की जो देशों को केवल भू-राजनीतिक नजरिए से देखते हैं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी...

ट्रांसमीटर का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। 15 अगस्त 1999 को अपनी स्थापना के बाद से 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर के साथ काम कर रहा आकाशवाणी कोकराझार अब अपने एफएम कवरेज का विस्तार करेगा। नया एफएम ट्रांसमीटर कोकराझार और आसपास के जिलों में बेहतर रिसेप्शन गुणवत्ता के साथ 70 किलोमीटर के दायरे को कवर करेगा। इस ट्रांसमीटर के लॉन्च होने से कोकराझार और आसपास के जिलों (धुबड़ी, बंगाईगांव और चिरांग) के 30 लाख से अधिक निवासियों को उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण तक पहुंच प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त, वैष्णव रेलवे स्टेशन से एनआईईएलआईटी (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) डीम्ड विश्वविद्यालय का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। बाद में, वैष्णव का जगीरोड स्थित टाटा सेमीकंडक्टर फैक्ट्री का दौरा करने का कार्यक्रम है। केंद्रीय मंत्री इस यात्रा के दौरान पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की चल रही परियोजनाओं की समीक्षा भी करेंगे।

जेल में अब नहीं ...

और सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का आदेश दिया है। जैसा हमने बताया, सरकार का ये कदम सुप्रीम कोर्ट में दायर एक रिट याचिका पर आए फैसले के बाद लिया गया है। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में *सुकन्या शांता बनाम भारत सरकार और अन्य* के नाम से सुना गया था। इस ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने 3 अक्तूबर 2024 को केंद्र सरकार को कुछ दिशानिर्देश दिए थे। पत्रकार सुकन्या शांता कानून और सामाजिक मुद्दों पर रिपोर्टिंग के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने भारत के जेल और वहां रह रहे कैदियों पर जमकर रिपोर्टिंग की है। सुकन्या ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जेलों में होने वाले जातिगत भेदभाव पर पूरा एक ब्यौरा दिया था। उन्होंने बताया था कि किस तरह विमुक्त जनजातियां यानी वैसे समुदाय या लोग जो एक वक्त तक जन्मजात तौर पर अपराधी माने जाते थे, वे अब भी जेल में जातिगत यातना झेल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला 3 अक्तूबर को सुनाया था।

शाही जामा मस्जिद...

सर्वे के लिए 19 नवंबर को कोर्ट ने आदेश दिया था और उसी दिन सर्वे किया गया था, लेकिन सर्वे पूरा नहीं हो पाया था। इसके बाद 24 नवंबर को फिर से सर्वे किया गया, जिसमें डीएम और एसपी भी मौजूद थे। सर्वे के दौरान हिंसा हुई, जिसमें लगभग चार लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट 9 दिसंबर को कोर्ट में पेश की जानी थी, लेकिन कोर्ट कमिश्नर ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए 15 दिन का समय मांगा था। अब रिपोर्ट कोर्ट में पेश कर दी गई है। संभल के शाही जामा मस्जिद के सामने बन रही पुलिस चौकी के बारे में वक्फ के दस्तावेजों में फर्जीवाड़ी का आरोप सामने आया है। प्रशासन की 3 सदस्यीय टीम ने यह खुलासा किया है कि वक्फ के दस्तावेजों में 3-4 किलोमीटर क्षेत्र की हजारों बीघा भूमि को वक्फ दर्ज किया गया था, जो कि गलत था। डीएम राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि अगर यह सही होता तो संभल शहर और गांव की बहुत सारी संपत्तियां वक्फ की हो जातीं। इस मामले में अब फर्जीवाड़ी का केस दर्ज किया जाएगा।

नीतीश और तेजस्वी ...

कुमार के लिए उनका दरवाजा हमेशा खुला रहता है। लालू ने यह भी कहा था कि यदि नीतीश साथ आते हैं, तो उन्हें माफ कर दिया जाएगा। लेकिन जब मीडिया ने तेजस्वी से पूछा कि क्या नीतीश वापस आएंगे, तो उन्होंने कहा कि मैं पहले ही साफ कर चुका हूं कि नीतीश के लिए हमारे दरवाजे बंद हैं। तेजस्वी के इस बयान से यह स्पष्ट हो गया कि आरजेडी में फिलहाल नीतीश कुमार की वापसी की कोई संभावना नहीं है। राजभवन में दोनों नेताओं की मुलाकात में नीतीश और तेजस्वी दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी, और उनके बॉडी लैंग्वेज ने राजनीतिक बयानबाजी के बीच एक अलग ही संदेश दिया। जहां एक ओर तेजस्वी ने नीतीश के प्रति अपनी दूरी बनाए रखी, वहीं नीतीश कुमार ने बिना किसी प्रतिक्रिया के हाथ जोड़ते हुए सवालों से बचने की कोशिश की। इस पूरे घटनाक्रम ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है और चर्चा तेज कर दी है कि क्या राजद और जदयू के बीच किसी नई राजनीतिक राह पर कदम रखा जाएगा। राज्यपाल ने भी इस मुलाकात पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह कोई राजनीतिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि व्यक्तिगत संबंधों की बात है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अवसर पर राजनीति से परे होकर सभी से मिलना उनका फर्ज था।

अघोरी बनकर घुस ...

गाड़ियों और लोगों की तस्वीरें खींचकर उनका मिलान पुलिस के पास मौजूद डेटाबेस से किया जा रहा है। इसी बीच महाकुंभ में बम ब्लास्ट करने की धमकी भी मिली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नसर पठान नाम की आईडी से धमकी दी गई है। वहीं, 31 दिसंबर को विपिन गौर नाम के युवक ने पोस्ट को डायल-112 यूपी पुलिस को टैग करते हुए री-ट्वीट किया। स्क्रीन शॉट भी शेयर किया। इसके बाद पुलिस एक्टिव हुई। प्रयागराज पुलिस कमिश्नर और सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी भेजी गई। पुलिस अब पोस्ट करने वाले शख्स को तलाश रही है। इससे पहले, 24 दिसंबर को खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने महाकुंभ में हमले की धमकी दी थी। एक्स पर ट्वीट के जरिए धमकी देने वाले आरोपी आईडी छानबीन की गई तो पता चला कि बायो में लिखा है कि मुझे मुस्लिम होने पर गर्व है। कट्टर मुस्लिम। पुलिस उस नंबर और ई-मेल की डिटेल ले रही है, जिससे आईडी बनाई गई है। मामले में लखनऊ के यूपी-112 मुख्यालय के ऑपरेशन कमांडर अरविंद कुमार नैन ने लेटर जारी किया। फिलहाल इस मामले को लेकर पुलिस की कई टीमें मिलकर छानबीन कर रही है।

एक दिन में 600 ...

होटलों, बारों और पार्टी आयोजनों में शराब की खपत सबसे अधिक रही। दिल्ली ने नए साल पर शराब की खपत में अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। इसके अलावा, तेलंगाना और कर्नाटक में भी शराब की बिक्री ने जोरदार उछाल लिया। तेलंगाना में 401 करोड़ रुपए और कर्नाटक में 308 करोड़ रुपए की शराब बेची गई। केरल में भी शराब की बिक्री 108 करोड़ रुपए तक पहुंची। उत्तराखंड में शराब की बिक्री ने राजस्व में वृद्धि दर्ज की, जहां 37 हजार से अधिक अंग्रेजी शराब की पेटियां बेची गईं और राज्य में बार दो बजे तक खुले रहे। इस साल चखने के लिए भी लोगों की डिमांड काफी बढ़ी, जिससे ऑनलाइन एप्स पर आलू भुजिया, चिप्स और आइस क्यूब जैसे चखने का सामान भी खूब बिके। कुल मिलाकर, नए साल के इस जश्न ने शराब की बिक्री के नए रिकॉर्ड बनाए और कई राज्यों के लिए अच्छा राजस्व जुटाया।

चिन्मय कृष्ण दास ...

अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। एक समाचार बेवसाइट ने चटगांव जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नाजिमउद्दीन चौधरी के हवाले से अपनी खबर में कहा कि सुनवाई के दौरान शासन ने जमानत पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह देशद्रोह का मामला है और इसकी सजा आजीवन कारावास है। *मेट्रोपॉलिटन पब्लिक प्रॉसिक्यूटर* एडवोकेट मोफिजुल हक भुइयां ने बताया कि चटगांव मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश सैफुल इस्लाम ने लगभग 30 मिनट तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका खारिज कर दी। दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि वे जमानत के लिए उच्च न्यायालय में अपील करने की योजना बना रहे हैं।

स्पीड ब्रेकर से ...

जाने के बाद उल्पे के पड़ोसी और रिश्तेदार उनके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। उल्पे की पत्नी ने कहा कि जब हम उनके शव को अस्पताल से घर ला रहे थे, तो उस दौरान ही जब एम्बुलेंस एक स्पीड ब्रेकर से गुजरी और हमने देखा कि उनकी उंगलियों में हलचल हो रही है। एक पारिवारिक सदस्य ने बताया कि इसके बाद उन्हें दूसरे अस्पताल ले जाया गया, जहां वे एक पखवाड़े तक रहे और इस दौरान उनकी *एंजियोप्लास्टी* हुई। उल्पे सोमवार को अस्पताल से घर वापस आ गए। घटना का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए उल्पे ने कहा कि मैं सैर करके घर आया था और चाय पीकर बैठा था। मुझे चक्कर आ रहा था और सांस फूल रही थी। मैं बाथरूम गया और उल्टी कर दी। मुझे याद नहीं कि उसके बाद क्या हुआ, मुझे अस्पताल कौन ले गया। उस अस्पताल की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है, जिसने उल्पे को मृत घोषित कर दिया था।

नवनियुक्त राज्यपाल अजय कुमार भल्ला पहुंचे इंफाल, आज लेंगे शपथ

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में नवनियुक्त राज्यपाल अजय कुमार भल्ला गुरुवार को इम्फाल पहुंच गए हैं। भल्ला शुक्रवार को राज्यपाल पद की शपथ ग्रहण करेंगे। यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने भी उन्हें बुके देकर उनका स्वागत किया। केंद्रीय गृह सचिव रह चुके अजय कुमार भल्ला की नियुक्ति मणिपुर में राज्यपाल के रूप में ऐसे समय में हुई है, जब राज्य मई 2023 से जातीय हिंसा का सामना कर रहा है। भल्ला शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे यहां राजभवन के दरबार हाल में राज्यपाल पद की शपथ लेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा की अध्यक्षता में भाजपा विधायकों की अहम बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में उनके कैबिनेट सहयोगियों और भाजपा के सभी विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के बाद असम के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने बताया कि इस बैठक में जहां वर्ष 2024 में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई वहीं चालू वर्ष 2025 के लिए सरकार की और रणनीति पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान विधायकों के बीच विचारों का आदान-प्रदान भी हुआ। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में सभी विधायक एक स्वच्छ, समृद्ध और विकसित असम बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। बैठक के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता ने बताया कि नववर्ष के दूसरे दिन आज लोक सेवा भवन, जनता भवन परिसर में एनडीए इकाई के कैबिनेट मंत्रियों, भारतीय जनता पार्टी के विधायकों, सांसदों के साथ-साथ भाजपा की स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्यों के साथ एक लंबी आलोचनात्मक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता भी विधायकों के साथ बैठक में मौजूद रहे। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष के निर्वाचन क्षेत्रों के विकास कार्यों और लागू की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के मुद्दों पर जानकारी दी और नए साल में लोगों की प्रगति और कल्याण के लिए किए जाने वाले विकास कार्यों पर चर्चा की। बैठक में इस नए साल में विकसित असम के लिए रोडमैप तैयार करने के संदर्भ में मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

दिव्यांग किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

तामुलपुर (हिंस)। एक दिव्यांग किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार किया। घटना तामुलपुर थानाक्षेत्र के द्वारकुची की है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि द्वारकुची की एक दिव्यांग किशोरी के साथ काली दास उर्फ एलाई मिनी नामक युवक फुसुलाई गांव में एक तालाब के किनारे ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में, जब लड़की ने अपने परिवार के सदस्यों को सूचित किया, तो परिवार ने गांधीबाड़ी पुलिस चौकी में एक प्राथमिकी दर्ज कराई। गांधीबाड़ी पुलिस चौकी की एक टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर तामुलपुर थाना में यूएस/64(2)(के) बीएनएस आर/डब्ल्यू धारा 6 पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की।

साहित्यकार और स्वतंत्रता सेनानी अंबिकागिरी रायचौधरी को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अंबिकागिरी रायचौधरी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रायचौधरी के साहित्य और संगीत में स्वदेश प्रेम की भावना गूंजती है। असमिया साहित्य और संगीत के विकास में उनका योगदान अतुलनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायचौधरी द्वारा कहा गया, *कथाओं से नहीं, कर्मों से मातृभूमि को जीवित रखना होगा,* यह वाक्य प्रेरणा देने वाला है। उनकी कालजयी रचनाएं और अमर साहित्य आज भी हमें प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन असमिया संस्कृति और इतिहास में उनके अमूल्य योगदान को याद करने का है।

ढेकियाजुली में भयानक सड़क दुर्घटना, कार के अंदर जिंदा जला चालक

शोणितपुर (हिंस)। नए साल के दूसरे दिन ढेकियाजुली के वोटपारा पुल पर एक भयानक सड़क दुर्घटना हुई। एक मारुति ऑल्टो कार पुल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और आग की चपेट में आ गई, जिससे चालक जिंदा जल गया। अग्निशमन टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई, लेकिन चालक को बचाया नहीं जा सका। कार की नंबर प्लेट पूरी तरह जल जाने से अब तक वाहन मालिक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने कार से एक गैस सिलेंडर भी बरामद किया, जो विस्फोट होने से बच गया। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए तेजपुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (टीएमसीएच) भेज दिया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

श्री श्री गोरोखिया गोपाल मारली थान के 41वें वार्षिक उत्सव की व्यापक तैयारियां

सम-जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने की लाईखूंटा की स्थापना

रंगिया (विभास)। वृहत्तर रंगिया के भक्तों की आध्यात्मिक केंद्र स्थली तुलसीबारी स्थित ऐतिहासिक श्री श्री गोरोखिया गोपाल मारली थान के वार्षिक उत्सव व स्थापना दिवस का आयोजन हरवर्ष की तरह इसबार भी व्यापक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। आगामी 25 जनवरी से तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ प्रारंभ होने वाले थान के 41वें आयोजन को लेकर भक्तों के बीच काफी उत्साह का माहौल बना हुआ है। आयोजन समिति द्वारा महोत्सव की तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। वहीं प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में बृहस्पतिवार को महोत्सव के मुख्य मंडप का लाईखूंटा स्थापित किया गया। रंगिया के सम-जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने आध्यात्मिक एवं मांगलिक वातावरण के बीच इसकी स्थापना की। अध्यक्ष अच्युत चंद्र केऊट और महासचिव संजय कलिता सहित आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम पूर्व मौके पर लाईखूंटा के स्थापक फुलाम गामोछा और जापी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित सैकड़ों भक्तों द्वारा हरिनाम से मुखरित माहौल के बीच शोभायात्रा के साथ लाईखूंटा को थान प्रांगण लाया गया और धार्मिक रीति रिवाज के साथ इसकी स्थापना की गई। कार्यक्रम के दौरान सम-जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐतिहासिक मारली थान का परंपरागत यह महोत्सव लोगों के एक समन्वय का निदर्शन है।

पुठीमारी में तीन दिवसीय घोड़ा मेला का आयोजन

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कामपुर पुठीमारी में तीन दिवसीय घोड़ा मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला पिछले 75 वर्षों से पुठीमारी और मोरीसूती क्षेत्र के लोगों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जनविश्वास के अनुसार, इस मेले में घोड़ा दान करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी कारण नववर्ष के पहले तीन दिनों में हजारों भक्त इस मेले में शामिल होते हैं। पिछले 75 वर्षों से बिना प्रचार के यह मेला आयोजित हो रहा था, लेकिन इसे लेकर लोगों की आस्था इतनी बढ़ी कि अब यह विश्वास का प्रतीक बन गया है। मेले के आयोजकों ने बताया कि मेले को व्यापक प्रचार और समर्थन के लिए अब सरकारी सहायता की आवश्यकता है।

पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नगांव पुलिस ने गुरुवार को पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में लखीमपुर के अभिजीत कलिता, बाबुल गोगोई और बिजीत सोनोवाल शामिल हैं। इसके अलावा शोणितपुर के इनामुल हक और नगांव के नजीमउद्दीन को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इससे पहले इसी केस में पांच अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

ठेंगाल कछारी स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य बने कुमुद चंद्र कछारी

जोरहाट (हिंस)। ठेंगाल कछारी स्वायत्त परिषद में कुमुद चंद्र कछारी ने गुरुवार को मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) और प्रताप कछारी ने अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। तितावर स्थित ठेंगाल कछारी स्वायत्त परिषद के सांस्कृतिक संग्रहालय सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में जोरहाट के उपायुक्त जय शिवन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस अवसर पर परिषद के सभी सदस्य और सैकड़ों स्थानीय लोग मौजूद रहे। पूर्व सीईएम प्रताप कछारी को कार्यकाल पूरा होने से पहले ही परिषद के सदस्यों के विरोध के कारण पद छोड़ना पड़ा था। आज दूसरी बार कुमुद चंद्र कछारी ने मुख्य कार्यकारी सदस्य के रूप में पदभार ग्रहण किया।

बालिसत्र में खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता आयोजित

रंगिया (विभास)। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय के अधीनस्थ संस्था नेहरू युवा केंद्र, कामरूप के सौजन्य से तथा स्वयंसेवी संस्था समृद्धि के सहयोग से बृहस्पतिवार को बालिसत्र में एक खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नेहरू युवा केंद्र के लेखाकार अधिकारी गोपीनाथ दास की देखरेख में स्थानीय पश्चिम बोरिगोग बालीसत्र हाई स्कूल परिसर में वॉलीबॉल, कबड्डी, रस्सी खींचना, लंबी कूद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस मौके पर राष्ट्रीय उद्यमिता प्रशिक्षक हितेंद्र शर्मा, खेल संगठक विपुल कुमार, विनय कलिता, जयंत माधव दास, सुनील नामसुद्र सहित विद्यालय के प्रधानाध्यापक हेमन्त कुमार डेका की उपस्थिति में सभी सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

रंगिया के पीताबंर हाट बजाली हत्याकांड मामले में एक और आशिक गिरफ्तार

रंगिया (निसं)। रंगिया के पीताबंर हाट बजाली के सनसनीखेज हत्याकांड घटना का अन्य अभियुक्त मृतक की पत्नी के आशिक रेकीब अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बदीर अली की हत्या में शामिल बदीर की पत्नी और पत्नी का प्रेमी रिकीब अहमद दोनों फिलहाल रंगिया पुलिस की हिरासत में है। लोगों के आरोप के मुताबिक पत्नी सेमिमा अख्तर ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति बदीर अली (46) की जान ली थी। शव के गर्दन पर चोट के निशान साफ नजर आ रहे थे और नाक से खून निकल रहा था। पत्नी पर आरोप है कि उसने शुक्रवार की रात अपने पति की हत्या कर उसे अलग रूप देने की कोशिश की है। वही पत्नी पर कई अन्य पुरुषों के साथ अवैध संबंध रखने का भी आरोप लगाया गया है। मालुम हो कि गत शनिवार की सुबह विनम्र स्वभाव के बदीर अली की मौत की खबर पाकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और गर्दन पर चोट के निशान भी देखा। इस बीच सेमिमा के प्रेमी के अनुसार उसे सेमीमा के बेटे ने मामा बनाया था। बेटे ने ही उसे अपनी मां के साथ तस्वीर क्लिक करने के लिए कहा। उसकी पत्नी सेमिमा अख्तारा ने कथित तौर पर रंगिया के पीतांबर हाट बजली में अपने पति की बेरहमी से हत्या कर उसे सामान्य मौत में बदलने की कोशिश की। यह शिकायत मृतक के परिजनों ने उठाई थी। कुछ गुस्साई महिलाओं ने आरोपी पत्नी को सबसे अच्छा सबक सिखाया था। घटना के बाद मृतक बदीर अली की पत्नी को रंगिया पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। साथ ही उसके अपने बेटे ने अपनी मां की हत्या करने की बात कबूल कर ली थी। बेटे ने कहा कि मां ने किसी को बताने मना कर दिया है, मां ने ही उसे मारा है। वही लोगों का आरोप है कि यह घटना एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के चलते हुई है। उधर, बादिल अली के परिजन थाना परिसर में रहकर न्याय की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि पति बदीर अली के परिजनों ने उसे उसके घर के चौताल में ही जनाजा किया था।

मुनिवृंद का डिफू में वृहद मंगलपाठ आयोजित

गुवाहाटी। आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य पर डिफू में वृहद मंगलपाठ सुनाया गया। इस अवसर पर अनेक क्षेत्रों के श्रावक-श्राविकागण उपस्थित थे। डिफू उपसभा द्वारा आयोजित इस वृहद मंगलपाठ कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गत 1 जनवरी को श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के तत्वावधान एवं राजेश जमड़ के संयोजकत्व में एक वृहद संघ ट्रेन द्वारा डिफू गया, जो उसी शाम गुवाहाटी लौट आया। इस मौके पर अपने उद्बोधन में मुनिश्रीजी ने फरमाया कि गुवाहाटी एवं पूर्वोत्तर का संपूर्ण श्रावक समाज प्रबुद्ध एवं जागरूक है। गुवाहाटी सभा के अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा ने अपने उद्गार में मंगलपाठ में समागत सभी समाजबंधुओं को अंग्रेजी नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं मुनिवृंद के सुखसाता के साथ आगे की यात्रा की मंगल कामना की। ज्ञातव्य हो कि मुनिवृंद का मर्यादा महोत्सव कार्यक्रम जोरहाट में होगा। इस

अवसर पर संघ में शामिल गुवाहाटी सभा के पदाधिकारियों, श्रावक-श्राविकाओं एवं समाजबंधुओं ने मुनिवृंद के वृहद मंगलपाठ एवं सेवा-दर्शन-उपासना का भरपूर लाभ लिया। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी के सफलतम चातुर्मासिक परिसंपन्नता के पश्चात मुनिवृंद जिन-जिन क्षेत्रों में पधार रहे हैं वहां सार-संभाल के साथ ही धर्माराधना प्रभावी ढंग से चल रही है। इस अवसर पर डिफू उपसभा ने मनुहार के साथ संघ की सेवा की। तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा एवं मंत्री राजकुमार बैद ने मुनिवृंद के वृहद मंगलपाठ में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस आशय की जानकारी सभा की धर्मस्थल आवंटन समिति के संयोजक राकेश बैंगानी ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

मेयर शरणिया ने श्री गौहाटी गौशाला का भ्रमण कर की गौ-पूजा

स्वच्छता के मामले में आठगांव गौशाला एक आदर्श गौशाला : मृगेन

गुवाहाटी। स्वच्छता एवं रखरखाव के मामले में श्री गौहाटी गौशाला अन्य संस्थाओं के लिए एक आदर्श स्वरूप है। यह बातें गुवाहाटी के मेयर मृगेन शरणिया ने बृहस्पतिवार को आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला का भ्रमण करने के बाद अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कही। गौशाला में गौ संरक्षण व संवर्धन की दिशा में किए जा रहे कार्यों से मेयर पूरी तरह से अभिभूत नजर आए। उन्होंने कहा कि श्री गौहाटी गौशाला में नि:स्वार्थ एवं निष्ठा भाव से पूरे समर्पण के साथ जिस तरह गौ माता की सेवा की जा रही है। वह अन्य लोगों को भी गौ माता के प्रति सेवा करने हेतु प्रेरित करता है। इसके लिए मेयर ने गौशाला के ट्रस्ट बोर्ड तथा कार्यकारिणी समिति को धन्यवाद दिया। इस दौरान मेयर ने गौशाला के ट्रस्टी इंचार्ज डॉ. अशोक धानुका से आठगांव, मालीगांव एवं

फाटाशील स्थित गौशाला के रखरखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इससे पूर्व मेयर मृगेन शरणिया ने गौ माता की पूजा अर्चना कर गौ माता को गुड़, चापड़, घास अपने हाथों से खिलाया। इस अवसर पर ट्रस्टी इंचार्ज डॉ. अशोक धानुका ने मेयर को फुलाम गमछा पहनकर अभिनंदन किया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, ट्रस्टी तथा कार्यकारिणी समिति के उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, कार्यकारिणी सदस्य सुशील गोयल, माखनलाल अग्रवाल, विवेक सांगानेरिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने बाक्सा में 14.92 करोड़ रुपए की लागत से बने एरी सिल्क स्पिनिंग प्लांट का उद्घाटन किया

मुशालपुर। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने गुरुवार को बक्सा जिले के मुशालपुर के खारूजान में एकीकृत टेक्सटाइल पार्क में एरी सिल्क स्पिनिंग प्लांट का उद्घाटन किया। पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम (एनईएचएचडीसी) द्वारा स्थापित यह प्लांट 12,916 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है और इसे 14.92 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। यह पूर्वोत्तर की सबसे बड़ी एरी सिल्क स्पिनिंग मिल है, जिसमें 960 रिंग फ्रेम स्पिंडल और 450 किलोग्राम प्रतिदिन उत्पादन क्षमता है। सभा को संबोधित करते हुए बीटीसी प्रमुख बोड़ो ने परियोजना की सराहना की और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की इसकी क्षमता और विशेष रूप से एरी सिल्क की खेती में पारंपरिक रूप से शामिल महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका बनाने पर जोर दिया। प्रमोद बोड़ो ने राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए इस तरह के प्लांट लगाने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब हमारे पास पर्याप्त उद्योग होंगे, तभी हमारी अर्थव्यवस्था फलेगी-फूलेगी। उन्होंने सभी से

इस संयंत्र के विकास को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। अपने संबोधन में उन्होंने नौकरी की तलाश में राज्य छोड़ने वाले युवाओं के मुद्दे पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनमें से कई अन्य जगहों पर इस तरह के संयंत्रों में काम करते हैं। उन्होंने कोकून पालन में आने वाली चुनौतियों और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मशीनरी की कमी को स्वीकार किया। साथ ही उन्होंने इन बाधाओं को दूर करने में आधुनिक तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की परियोजना की क्षमता को भी रेखांकित किया। इससे पहले, स्वागत भाषण देते हुए एरी सिल्क स्पिनिंग मिल के डीजीएम (मार्केटिंग)/सीओओ विद्युत विकास राजकुंवर ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया और संयंत्र का अवलोकन कराया। राजकुंवर ने कहा कि यह संयंत्र 375 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 50,000 परिवारों को अप्रत्यक्ष आजीविका प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आज तक मिल ने 22 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया है, जिसमें 54 प्रतिशत लोग बोड़ो समुदाय के हैं। उन्होंने संयंत्र की स्थापना में उनके निरंतर सहयोग के लिए उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम (एनईएचएचडीसी) और बीटीआर प्रशासन को भी धन्यवाद दिया। उद्घाटन कार्यक्रम में भूपेन बोड़ो, विधायक बरमा, राकेश ब्रह्मा, ईएम बीटीआर, धनंजय बसुमतारी, ईएम, बीटीआर, दाओबाइसा बोड़ो, ईएम बीटीआर, रक्तिम बुरागोहाई, सचिव, हथकरघा और वस्त्र, बीटीसी, पीवीएसएलएन मूर्ति, सीएमडी, एनईडीएफआई और प्रबंध निदेशक, एनईएचएचडीसी, ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) आरके सिंह, अन्य लोग मौजूद थे।

संपादकीय

पंचिंग बैग नहीं है हिन्दू धर्म

तथाकथित सेकुलर राजनीतिक दल और नेताओं ने हिन्दू धर्म को पंचिंग बैग समझ लिया है। अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने और एक खास वोटबैंक को खुश करने के लिए अकसर तथाकथित सेकुलर नेता हिन्दू धर्म को लक्षित करके विवादित बयानबाजी करते रहते हैं। कोई सनातन धर्म की तुलना डेंगू से करता है तो कभी सनातन के समूल नाश पर सेमिनार कराए जाते हैं। कभी संसद में जोश में आकर कह दिया जाता है कि "जो लोग अपने आपको हिन्दू कहते हैं, वो चौबीस घंटे हिंसा, हिंसा, हिंसा; नफरत, नफरत, नफरत; असत्य, असत्य, असत्य कहते हैं"। अब केरल के मुख्यमंत्री एवं कम्युनिस्ट नेता पिनराई विजयन ने सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करके हिन्दू विरोध की मानसिकता को प्रकट किया है। उनकी टिप्पणी बताती हैं कि सनातन धर्म के संबंध में उनकी समझ बहुत उथली है और उन्होंने जानबूझकर हिन्दू धर्म को निशाना बनाने का प्रयास किया है। यही कारण है कि कि मुख्यमंत्री विजयन की टिप्पणियों का विरोध न केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है अपितु कांग्रेस ने भी विरोध किया है। हालांकि, विश्व हिन्दू परिषद ने विपक्षी दल में शामिल सभी राजनीतिक दलों की सोच पर सवाल उठाए हैं। क्योंकि कांग्रेस के नेताओं की ओर से जो विरोध दर्ज कराया जा रहा है, वह गोल-मोल है। केरल के मुख्यमंत्री ने दो बड़ी बातें कही हैं। पहली टिप्पणी में मुख्यमंत्री विजयन ने यह स्थापित करने का प्रयास किया है कि संत और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु का सनातन धर्म से कोई लेना-देना नहीं था। अपितु उन्होंने तो सनातन में सुधार करके नये धर्म की घोषणा की। विजयन की इस सोच से देखेंगे तो स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद से लेकर महात्मा गांधी तक कोई भी सनातनी नहीं कहलाएगा क्योंकि इन सबने भी सनातन में काल के प्रवाह में आए कई दोषों को दूर करने का कार्य किया। विजयन को समझना चाहिए कि सनातन ही है, जो यह स्वतंत्रता देता है कि उसके अनुयायी सुधार की बात कर सकें और अपना नया रास्ता भी प्रस्तुत कर सकें। बहरहाल, मुख्यमंत्री विजयन ने अपनी दूसरी टिप्पणी में कहा है कि राज्य के मंदिरों में प्रवेश करने से पहले पुरुष श्रद्धालुओं को कमर से ऊपर के कपड़े उतारने की आवश्यकता संबंधी लंबे समय से जारी प्रथा को देवस्वम बोर्ड समाप्त करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इस प्रथा को एक सामाजिक बुराई बताया तथा इसके उन्मूलन का आह्वान किया है। विजयन बताए कि इससे पहले उन्होंने किसी अन्य धर्म-संप्रदाय की किस प्रथा को सामाजिक बुराई बताया हो और उसके उन्मूलन की दिशा में कदम बढ़ाया हो। महिलाओं को बुर्का जैसे बंधन से मुक्ति दिलाने की बात होती है तब यही कम्युनिस्ट बिरादरी उस कबीलाई व्यवस्था को आधुनिक समय में भी बनाए रखने की वकालत करते हैं। मुख्यमंत्री विजयन की सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों को लेकर समाज की ओर से भी तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं लेकिन वे अब भी अपनी टिप्पणियों पर कायम हैं। यह दर्शाता है कि केरल के मुख्यमंत्री को हिन्दू समाज की भावनाओं की कोई चिंता नहीं है। तथाकथित सेकुलर नेताओं को यह समझना चाहिए कि यदि वे अन्य संप्रदायों के बारे में कोई प्रतिकूल टिप्पणी देने का सामर्थ्य नहीं रखते हैं, तब उन्हें हिन्दू धर्म के संबंध में भी ऊटपटांग बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने और एक खास वोटबैंक को खुश करने के लिए अकसर तथाकथित सेकुलर नेता हिन्दू धर्म को लक्षित करके विवादित बयानबाजी करते रहते हैं। कोई सनातन धर्म की तुलना डेंगू से करता है तो कभी सनातन के समूल नाश पर सेमिनार कराए जाते हैं। कभी संसद में जोश में आकर कह दिया जाता है कि "जो लोग अपने आपको हिन्दू कहते हैं, वो चौबीस घंटे हिंसा, हिंसा, हिंसा; नफरत, नफरत, नफरत; असत्य, असत्य, असत्य कहते हैं"। अब केरल के मुख्यमंत्री एवं कम्युनिस्ट नेता पिनराई विजयन ने सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करके हिन्दू विरोध की मानसिकता को प्रकट किया है। उनकी टिप्पणी बताती हैं कि सनातन धर्म के संबंध में उनकी समझ बहुत उथली है और उन्होंने जानबूझकर हिन्दू धर्म को निशाना बनाने का प्रयास किया है। यही कारण है कि कि मुख्यमंत्री विजयन की टिप्पणियों का विरोध न केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है अपितु कांग्रेस ने भी विरोध किया है। हालांकि, विश्व हिन्दू परिषद ने विपक्षी दल में शामिल सभी राजनीतिक दलों की सोच पर सवाल उठाए हैं। क्योंकि कांग्रेस के नेताओं की ओर से जो विरोध दर्ज कराया जा रहा है, वह गोल-मोल है। केरल के मुख्यमंत्री ने दो बड़ी बातें कही हैं। पहली टिप्पणी में मुख्यमंत्री विजयन ने यह स्थापित करने का प्रयास किया है कि संत और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु का सनातन धर्म से कोई लेना-देना नहीं था।

भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनेयर की संख्या

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है। हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख

60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फ़िलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है। भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

दृश्टि कोण

दुनिया की सोच भी बदल दी एआई ने

पूरी दुनिया में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में साल 2024 में कई बड़े बदलाव हुए। एआई सहित कई-कई टेक इनोवेशन सामने आये हैं, जिन्होंने तकनीकी दुनिया को बदलने और लोगों को हैरान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोगों ने जनरेटिव एआई को अपनाने से लेकर फोल्डेबल स्मार्टफोन की बढ़ती पॉपुलेरिटी तक, एक्सेसिबिलिटी और इंटीग्रेशन को बढ़ाने पर फोकस किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए साल 2024 एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी साल साबित हुआ। इस साल एआई ने तकनीकी विकास में ऐसी छलांग लगाई, जिसने न केवल डिजिटल दुनिया बल्कि आम लोगों की जिंदगी को भी पूरी तरह से बदल दिया। एआई अब हर सेक्टर में काबिज हो रही है। 5जी की प्रौद्योगिकी ने तेज इंटरनेट स्पीड और कनेक्टिविटी के मामले में एक क्रांतिकारी बदलाव किया है। इसके चलते स्मार्टफोन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइसेस की क्षमता में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी (वीआर/एआर) ने गेमिंग, एंटरटेनमेंट, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में नयी ऊंचाइयों को छुआ है। नये और उन्नत वीआर/एआर हेडसेट्स और एप्लिकेशन का विकास हुआ है। 2024 में मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट कंज्यूमर टेक्नोलॉजी में नए सेगमेंट के रूप में सामने आए हैं, जो फिजिकल और डिजिटल इनवायरन्मेंट को सीमलेस ब्लेंड करते हैं। एपल और मेटा जैसे ब्रांड ने ऐसे डिवाइस पेश किए हैं जो वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) को इंटीग्रेट करते हैं ताकि डीप इमर्सिव एक्सपीरियंस ऑफर किए जा सकें। बीते साल क्वांटम कम्प्यूटर के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आईबीएम और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने अपने क्वांटम कंप्यूटरों के नये वर्शन पेश किये हैं, जिनका उद्देश्य समस्याओं को हल करने की गति को मौजूदा सुपरकंप्यूटर से कई गुना अधिक बढ़ाना है। एआई ने शिक्षा के क्षेत्र में भी नई क्रांति लाने का काम किया। भारत की पहली एआई टीचर के रूप में आइरिस जानी जाती हैं। इस साल मार्च में इन्हें तिरुवनंतपुरम के केटीसीटी स्कूल द्वारा विकसित किया गया। वर्ष 2024 में

बायोइलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ टेक्नोलॉजी ने स्वास्थ्य देखभाल को एक नयी दिशा दी है। स्मार्ट वियरेबल्स, स्वास्थ्य से संबंधित एप्स और एआई-बेस्ड डायग्नोस्टिक टूल्स ने मेडिकल क्षेत्र में सुधार किया है। वहीं, सस्टेनेबिलिटी और ग्रीन टेक की बात करें, तो पर्यावरणीय चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ग्रीन टेक्नोलॉजी में भी इस साल इनोवेशन हुआ है। सोलर पैनल्स, इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा संरक्षण के नये तरीके सामने आये हैं। ट्रांसपेरेंट टीवी इस साल काफी चर्चा में रहा। ये 77-इंच का एक ट्रांसपेरेंट टीवी है, ये बंद होने पर शीशे की तरह दिखता है। टीवी ऑन होता है तो एक अलग ही तरह विजुअल एक्सपीरियंस मिलता है। इसमें वायरलेस कनेक्टिविटी के लिए ज़ीरो कनेक्ट बॉक्स का यूज किया गया है। वर्ष 2024 में हुआवई ने फोल्डेबल या फ्लिप फोन नहीं बल्कि ट्रिपल फोल्ड फोन लॉन्च किया है। ये दुनिया का पहला ट्रिपल-फोल्ड स्मार्टफोन है। स्मार्टफोन खुलने पर 10.2 इंच की बड़ी स्क्रीन ऑफर करता है। ये टैबलेट की तरह भी यूज किया जा सकता है। इसमें 1टीबी स्टोरेज है। फोटो-वीडियोग्राफी के लिए चार कैमरा हैं। स्मार्टफोन से कई फोल्डिंग मोड्स में काम कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से स्मार्टफोन, लैपटॉप और दूसरे गैजेट के काम करने के तरीके का एक जरूरी हिस्सा बन गया है। ये क्रिएटिव और प्रेक्टिकल फीचर्स को एड करती है, जो इन डिवाइसेज के इस्तेमाल के तरीके को बेहतर बनाती है। वर्ष 2024 में हुए सबसे बड़े इनोवेशन की बात की जाएगी तो उसमें न्यूरालिंक का जिक्र होगा। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब इंसानी दिमाग में चिप लगाई गई। इस साल की शुरुआत में एलन मस्क के टेक स्टार्टअप न्यूरालिंक ने यह कारनामा किया था। कंपनी ने चिप को लेकर दावा किया कि इसके जरिये कम्युनिकेशन और बॉडी को कंट्रोल किया जा सकता है। इस साल कई ऐसे इनोवेशन हुए जो कल्पनाओं से भी परे थे। इतिहास का सबसे बड़ा शटडाउन भी इसी साल देखने को मिला। दुनिया का पहला एआई हॉस्पिटल बनाने वाला देश चीन है, जिसमें मरीजों का इलाज रोबोट करते हैं।

कुछ अलग

परंपरा और कारवां

हम आज तक समझ नहीं पाए कि अपना देश कब तक यूं ही लेटे हुए चलने का अभ्यास करता रहेगा। जी, हां। हमारा दिमाग सही है, परन्तु यहां लोग 'आराम हराम है' कहकर आराम फरमाते हैं और बैठे-बैठे कुछ ऐसे भाषण दागते हैं कि जैसे अभी बिना दूसरों की मदद से आकाश में अपना उपग्रह प्रक्षेपित कर लेंगे। कभी वक्त था जब हम किसी बड़े आदमी का उपग्रह बनकर सफलता के आकाश में प्रक्षेपित होना चाहते थे। लेकिन लोगों ने देखते ही देखते अपने आकाश रच लिए और उस पर खुद ही प्रक्षेपित होकर युग बदलने का इंतजार करने लगे। अब विश्रम का नाम ही श्रम हो गया है। इसी विश्रम के साथ तरक्कियां मिल जाती हैं। उपलब्धियों के चांद-सितारे छू लेते हैं और फिर अपने आपको एक नया सूरज घोषित करते देर ही कितनी लगती है। अभी सूचना मिली है कि एक नया विभाग सरकार ने खोल दिया है। अब निर्माण में मरम्मत की संभावनाएं ढूंढने का विभाग किफायत करने के नाम पर सरकार ने इस विभाग पर करोड़ों रुपए खर्च कर दिए हैं, लेकिन मरम्मत की कहीं जरूरत ही नहीं पड़ी। अजी कहीं निर्माण होता तो मरम्मत की संभावना पैदा होती। अधूरी योजनाओं से क्या निर्माण होते हैं। एक फ्लाईओवर बनने में वर्षों लग गए, फिर कोई नई रूपरेखा बन गई। तब उसी फ्लाईओवर का कोई सुधरा हुआ रूप बनने लगा। न निर्माण पूरा हुआ, न मरम्मत की जरूरत पड़ी और मरम्मत विभाग बैठे ठाले उन भ्रष्ट लोगों की किस्मत को रो रहा है कि जिन्होंने प्रोजैक्ट पूरा नहीं होने दिया। पूरा हो जाता तो उनके लिए कुछ मरम्मत का काम भी मिल जाता। अब बैठे ठाले इतने वर्ष वेतन भत्ता तो खाते रहे, काम की गाड़ी कुछ आगे सरक जाती तो उनके लिए भी कुछ बालाई आमदन का इंतजाम मरम्मत के नाम हो जाता। अब भला बताइए निरी सूखी आय में किस राष्ट्र भक्त का गुजारा होता है। ऊपर की आमदन होती रहे, तो देश को भी भ्रष्टाचार सूचकांक में अपना दर्जा सुरक्षित रखने की सुविधा रहती है। लेकिन बन्धु अपने यहां क्रांति नहीं होती, क्रांति के पुराने नारे ठुस्स होते हैं, नए नारे गढ़े जाते हैं। अधूरी सडक़ें, अधूरे पुल और अधर में रुक गए फ्लाईओवर देश का बदलता हुआ चेहरा पर्यटकों के सामने पेश करते हैं। लेकिन उन्हें न समझाइएगा कि यह चेहरा ज्यों का त्यों कई वर्षों से यहीं खड़ा है। मंडियों में कभी तेजी आई नहीं, और अब यहां मंदी के नजारे भी पेश आने लगे। तरक्की के सूचकांक उछले भी नहीं, और अपनी निष्क्रियता पर देश शर्मिन्दा नजर आने लगा। लेकिन यहां अपनी शून्य कारगुजारी पर कोई शर्मिन्दा नहीं होता। बल्कि उसके लिए विपक्ष को दोषी बता दिया जाता है। हर बात का जवाब उनके पास है। आपका काम नहीं हुआ? आपका हर मन्सूबा अधूरा रह गया। आपके उपक्रमों का नफा नुक्सान में बदल गया। दुनिया बदल देने, समाज के कायाकल्प के वायदे हुए, लेकिन यह क्या किया? जब काम करने चले तो घपलों-घोटालों के साथ उन्होंने उनकी हत्या कर दी। लेकिन इन बातों से आजकल कोई चौंकता नहीं। आज जो कुर्सी पर बैठे हैं, उनके विरुद्ध घपलों-घोटालों के आरोप हवा में तैरते हैं, तो परेशानी क्या? सीधा जवाब हाजिर है, तनिक अपना युग याद कर लीजिए। विपक्षियो, जब आपका युग था, तो आपने इससे भी बड़े-बड़े घोटाले किए थे। एक को भी हवा नहीं लगने दी थी। हवा लग गई तो तुरंत जांच कमीशन के ठंडे बस्ते स्थापित कर दिए। इतने वर्ष बीत गए। आपका युग गया, हमारा युग आ गया। यह जांच सुरसा की आंत की तरह बढ़ती और मुंह की तरह खुलती ही चली गई। कभी रिपोर्ट आई और धूल फांकती रही। विवश किसी रिपोर्ट पर कार्रवाई करनी पड़ी, तो भ्रष्ट नेता अपने को आरोपित कह कर हाथी पर सवार होकर जेल गए। बंधु, आरोपित होना कोई अपराध नहीं होता।

देश दुनीया से

कमर्शियल टूरिज्म की राह चुने प्रदेश

एक पर्यटक के नाते यदि आप अपने राज्य का ही भ्रमण कर लें तो यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है और कहीं भारत भ्रमण करने की ठान लें तो भला आपसे बड़े जीवट वाला और कौन हो सकता है। घूमना फिरना, नई जगहों पर जाकर रोमांचित होना और नई जानकारियां एकत्रित करना, यह किसी भी यात्रा प्रेमी मनुष्य के लिए किसी सिद्धि अथवा महत्वपूर्ण सफलता पाने से कमतर बात नहीं हो सकती है। आधुनिक दौर में अमीर लोग तो अपने पर्यटन संबंधी शौक पूरे कर ही लेते हैं, वहीं अब कम आय वर्ग, व्यापारी वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवार भी बहुधा सपरिवार अपने निकटवर्ती मशहूर स्थलों या पड़ोसी राज्यों के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों का दौरा कर रहे हैं। यदि इस पर्यटक वर्ग को सरकारी सेक्टर के होटलों में सस्ते कमरे और स्वादिष्ट भोजन सुविधाएं मिलें तो निश्चित तौर पर हिमाचल में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन हाल ही में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के हिमाचल पर्यटन विकास निगम के घाटे में चल रहे 18 होटलों को पहले बंद करने तथा बाद में उन्हें 31 मार्च 2025 तक चलाने की मोहलत देने के आदेशों के आलोक में समझा जा सकता है कि आखिर वे कौन लोग हैं जिनकी कार्यशैली के चलते पर्यटन निगम का अस्तित्व ही खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है? अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि पर्यटन विभाग के कर्मचारियों को नियमित अंतराल पर रिफ्रेशर कोर्स करवाकर उन्हें गुणवत्तायुक्त सेवाओं हेतु तैयार किया जाए। भारत आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र तमिलनाडु राज्य है, जबकि दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र और तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। टॉप टेन की सूची में हिमाचल को पहुंचने के लिए अभी मीलों

लंबा सफर तय करना पड़ेगा। हाल ही में हिमाचल सरकार और एशियन डिवेलपमेंट बैंक (एडीबी) के मध्य हुए एमओयू के बाद हिमाचल पर्यटन विभाग को 1378 करोड़ रुपए की धनराशि मिलने जा रही है। प्रोजेक्ट के तहत पांच जिलों, क्रमशः कुल्लू, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और शिमला के पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत हेरिटेज इमारतों का जीर्णोद्धार किया जाएगा एवं बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। पर्यटन स्थलों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, साहसिक गतिविधियां, वाटर स्पोट्र्स, टूरिस्ट प्लेस का सौंदर्यकरण, वेलनेस सेंटर, पर्यटकों के मनोरंजन को सुविधाएं, रीवर राफ्टिंग, पैरा ग्लाइडिंग, आइस स्केटिंग, रोलर स्केटिंग रिंग और बाइकिंग ट्रैक्स विकसित किए जाएंगे, लेकिन इन सब कार्यों को पूर्णता में तैयार होने में समय लगेगा। सरकार को चाहिए कि वह पर्यटन को बढ़ावा देने और उसे राज्य की आर्थिकी का महत्वपूर्ण सोर्स बनाने के उपाय पर काम करे। हिमाचल प्रदेश में सरकारी संपतियों का लेखा-जोखा होना चाहिए, जिनमें बीड़ स्थित पार्किंग और पैरा ग्लाइडिंग प्रशिक्षण संस्थान का भवन भी शामिल है। पहले सरकार के पास जो भवन और शौचालय हैं, उनकी मरम्मत, साफ-सफाई और रंग रोगन तो करवाए। आखिर किन उपायों से व्यवस्था परिवर्तन का सपना साकार होगा। अब तपोवन स्थित विधानसभा भवन के निकट एक भूभाग को चिन्हित किया गया है जहां होटल-कम-हॉस्टल का निर्माण हो सके। उसकी चर्चाएं अखबारों की सुर्खियों में हैं, जहां फूड कोर्ट की व्यवस्था भी की जाएगी। अनुमान है कि इससे एक ओर जहां लगभग साल भर बंद रहने वाले विधानसभा भवन की देखरेख हो पाएगी, तो वहीं एंट्री टिकट से भी आय होगी। शीतकालीन सत्र के दौरान विधायकों तथा मंत्रियों आदि के रहने के इंतजाम निजी होटलों में होते हैं जिस पर काफी खर्चा होता है, इससे भी बचा जा सकेगा। यदि इरादे नेक हों तो विचार बुरा नहीं है, लेकिन पहले हिमाचल पर्यटन निगम के होटलों को घाटे से उबारने की कसरत करनी होगी। हिमाचल प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थलाकृतिक विविधता और प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है और पर्यटन राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 फीसदी का योगदान देता है। ऐसे समय में जब भारत की राजधानी दिल्ली सहित अन्य प्रदेशों में वायु एवं पर्यावरण संबंधी समस्याएं लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं, तो वहीं लगभग प्रदूषण रहित हिमाचल का शुद्ध वातावरण बाहरी पर्यटकों के हिमाचल प्रवास के लिए लाभदायी साबित हो सकता है। बस सरकार को पर्यटन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों शांति, प्राकृतिक सौंदर्यीकरण, परिवहन सुविधाएं, पार्किंग सुविधाएं, आतिथ्य सत्कार, कर्मचारियों का अच्छा विनम्र रवैया, ऐतिहासिक स्थलों तक पहंचने के लिए आधारभूत ढांचा तैयार करने के लिए कमर कसनी होगी। यह सच भी है कि पर्यटन अपने सबसे अच्छे रूप में तब होता है जब गंतव्य स्थल अनुकूल जलवायु का दावा करते हों और निःसंदेह हिमाचल इस कसौटी पर खरा उतरता है। सुक्खू सरकार को एक पूर्णकालिक जिम्मेदार पर्यटन मंत्री की तैनाती के बारे में भी सोचना होगा जो व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का माद्दा रखता हो। पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जहां होम स्टे, गाइड, टैक्सी ड्राइवर, टूर ऑपरेटर्स, हैंडीक्राफ्ट, ट्रांसपोर्ट, जैम इंडस्ट्री, अभयारण्य, स्थानीय कलाकार, बुनकर समेत विभिन्न सेक्टरों में लोगों को रोजगार के मौके मिलते हैं। इसके अलावा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग जैसे कि हस्तशिल्प विक्रेता, रेस्तरां मालिक, वेंडर्स और फुटकर विक्रेता भी रोजगार प्राप्त करते हैं। हिमाचल सरकार को चाहिए कि राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल, बेहतर कनेक्टिविटी, माइस टूरिज्म अर्थात (मीटिंग्स, इन्सेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशन) ट्रेंड और नए होटल्स और रिसॉट्र्स जैसे राजस्थान पर्यटन द्वारा अपनाए जा रहे फार्मूलों को हिमाचल में भी आजमाए।

आप का नजरीया

पूर्व मुख्यमंत्रियों का नैतिक दायित्व

आर्थिक मलाल में गुजरा पिछला साल, सुक्खू सरकार की जद्दोजहद को चिन्हित करता रहा। अदालतें अगर तारीख पे तारीख से कानून से न्याय नहीं कर पा रहीं, तो सरकारें ऋण पे ऋण उठाकर हिमाचल की वित्तीय व्यवस्था को अति कमजोर कर चुकी हैं। ऐसे में सियासी फासलों को कम से कम हिमाचल की आर्थिक स्थिति के विषयों पर आकर सिमटना होगा। आश्चर्य यह कि आर्थिक सुधारों पर बोलना अब विपक्षी बंदूक की नली से गुजरना बन चुका है। आज भी बहस का विषय नुक्ताचीनी के आलम में सिर्फ सत्ता को सियासत तक महदूद रखना है। हिमाचल के कर ढांचे को बढ़ावा देने के लिए तब तक सरकार जिम्मेदार नहीं हो सकती, जब तक विपक्ष ऐसे विषयों की कड़वाहट में हर कड़वी गोली की खिल्ली उड़ाता रहेगा। इनका ऋण उनके उधार से अलग नहीं हो सकता, लेकिन सत्ता और विपक्ष के बीच हिमाचल की वित्तीय व्यवस्था नाजुक हालात की स्थिति में है। ऐसे में सरकार के दायित्व की किश्ती पर केवल सुखविंदर सुक्खू सवार नहीं, बल्कि ऐसी बहस भी शरीक है जो आर्थिक सुधार के हर कदम को अनाथ बनाना चाहती है। बेशक कांग्रेस की दस गारंटियों का नैतिक दबाव सारी राजनीति के मजमूनों पर दबाव डाल रहा है और इसी को दुखती रग मानकर भाजपा दबाते-दबाते, कड़वे फैसलों की जिरह को भी बदनाम कर रही है। मसलन विद्युत दरों के मौजूदा फार्मूले ने बजट की जो धरती छीनी है, वहां वित्तीय अकाल का हर निशान चस्पां है। न भाजपा ने जनता को बिजली की मुफ्तखोरी सिखा कर भला किया और न ही कांग्रेस की गारंटी ने इस लिहाज से प्रदेश का अस्तित्व बड़ा किया। दोनों तरफ से चुनावी मुनादियों का ही असर है कि 75 हजार करोड़ की उधारी में प्रदेश का वजूद कीचड़ से सना है। अब अगर जलापूर्ति और बिजली की सप्लाई को अलाभकारी सामाजिक कल्याण की पहली शर्त मान कर राज्य अपनी वित्तीय व्यवस्था चलाए, तो कल कंगाली के रास्ते पर और भयंकर दुर्घटनाएं तय हैं। आलोचना के लिए बढ़ता घाटा एक सबूत है कि हमारी राजनीतिक सोच ही कितनी कंगाल है और यह राजस्व घाटों की ऐसी फेहरिस्त है जो पिछले कुछ दशकों से हिमाचल को दीमक का घर बना चुकी है। ऐसे में कठिन फैसलों पर राजनीतिक मोर्चे खड़े करने के बजाय सहमतियों के द्वार खोलने पड़ेंगे। हिमाचल की आर्थिक दिक्कतों के बीच सुखविंदर सुक्खू के अलावा जयराम, प्रेम कुमार धूमल व शांता कुमार जैसे पूर्व मुख्यमंत्रियों का नैतिक दायित्व है कि वे राजनीति से ऊपर उठकर उन फैसलों का समर्थन करें जो वित्तीय समाधानों की अनिवार्यता दर्ज करते हैं। इस सूची में प्रदेश का दृष्टिकोण बदलने की नसीहतें सीधे-सीधे कर्मचारी वर्ग से जुड़ती हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रयास और मायने उन तमाम गलियों में फनां हो जाएंगे, जहां कर्मचारियों को बहलाने-फुसलाने की राजनीति में पक्ष और विपक्ष में हमेशा होड़ लगी रहती है। तीनों पूर्व मुख्यमंत्रियों यानी जयराम ठाकुर, प्रेम कुमार धूमल और शांता कुमार बताएं कि सत्तर लाख आबादी के प्रदेश का प्रशासनिक व कर्मचारी ढांचा किस आकार तक सही है। बताएं कि कितने महकमें, कितने निगम और कितने बोर्ड बंद कर देने चाहिएं या अनावश्यक दफ्तरों पर ताले लटका देने चाहिएं। क्या हिमाचल की वित्तीय व आर्थिक कसौटियों के तहत सरकारों का आकार इसी ढर्रे में चलना चाहिए या कुछ नीतियां वित्तीय अनुशासन की दृष्टि से नजीर बननी चाहिएं।

उत्कर्ष कोचिंग संस्थान के कई ठिकानों पर देशभर में छापेमारी

जोधपुर (हिंस)। आयकर विभाग ने राजस्थान के प्रतिष्ठित उत्कर्ष कोचिंग सेंटर पर गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। सुबह करीब छह बजे जयपुर, जोधपुर, इंदौर, प्रयागराज सहित अधिकतर केंद्रों पर अलग-अलग टीमें पहुंचीं। यहां क्लासेज से बच्चों को बाहर निकालकर सभी डॉक्युमेंट्स जब्त किए गए हैं। अधिकारियों ने सेंटर्स पर मौजूद स्टाफ के मोबाइल भी जब्त किए हैं। अचानक हुई कार्रवाई से कोचिंग के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। छात्रों की फीस में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और टैक्स चोरी को लेकर यह छापेमारी की गई। कोचिंग सेंटर के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया ताकि किसी तरह का अवरोध न हो। जानकारी के अनुसार फिजिक्स वाला और उत्कर्ष की कुछ महीनों पहले पार्टनरशिप को लेकर बड़ी डील हुई थी। उसके बाद से मैनेजमेंट में फिजिक्स वाला की इन्वॉल्वमेंट शुरू हुई थी। आयकर विभाग को ऐसी शिकायतें मिली थी कि करीब आठ सौ करोड़ से ज्यादा की इस डील में बड़े पैमाने पर अघोषित लेनदेन शामिल है। इसके बाद से ही आयकर विभाग के अधिकारी उत्कर्ष के ठिकानों पर नजर रखे हुए थे। आयकर विभाग के इन्वेस्टिगेशन विंग के जॉइंट डायरेक्टर प्रेरणा

चौधरी के निर्देशन में आज सर्वे की कार्रवाई की जा रही है। उत्कर्ष के निदेशक निर्मल गहलोत के उम्मेद हैरिटेज स्थित बंगले, जालोरी गेट स्थित मुख्य कार्यालय सहित अन्य ब्रांचों में कार्रवाई चल रही है। आयकर विभाग की कार्रवाई में बड़ी मात्रा में टैक्स चोरी उजागर होने की संभावना है। करीब 150 से अधिक आयकर कर्मी छापेमारी में शामिल हैं। इसके साथ ही पुलिस कर्मियों की टीम भी आयकर विभाग के अधिकारियों को सहयोग कर रही है। टैक्स चोरी और काले धन की गुप्त सूचना पर आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने कार्रवाई को अंजाम दिया है। कार्रवाई के दौरान कई अहम दस्तावेज भी मिले हैं, जिनकी जांच पड़ताल की जा रही है। बड़े पैमाने पर अघोषित आय और टैक्स चोरी उजागर होने की संभावना जताई जा रही है। आयकर विभाग की टीमें संस्थान के बैंक लॉकर्स को भी खंगालने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही संस्थान के ठिकानों पर दस्तावेजों की भी जांच पड़ताल की जा रही है। कार्रवाई के दौरान कोचिंग सेंटरों के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया। आयकर विभाग ने सेंटर से कई दस्तावेज और रिकॉर्ड्स जब्त किए हैं। बताया जा रहा है कि यह छापेमारी कई राज्यों में फैले उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के विभिन्न ठिकानों पर की गई है, जिनमें इंदौर और दिल्ली के केंद्र भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है जब उत्कर्ष कोचिंग सेंटर विवादों में आया है। गत 15 दिसंबर को जयपुर के सेंटर में छात्रों के बेहोश होने की घटना के बाद संस्थान सुर्खियों में था। इस केस में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने भी संज्ञान लिया था और राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित कई अन्य एजेंसियों से जवाब तलब किया था। इस मामले की अगली सुनवाई 10 फरवरी को होगी। आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई फीस में टैक्स चोरी और अन्य आर्थिक अनियमितताओं को लेकर की गई है। जांच पूरी होने के बाद ही इस मामले में अधिक जानकारी सामने आ सकेगी। हालांकि यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी आईटी रेड पड़ चुकी है। उत्कर्ष कोचिंग सेंटर राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जाना जाता है। लेकिन, हाल की घटनाओं ने कोचिंग संस्थानों की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल माघी मेले पर करेगा राजनीतिक दल का एलान

अकाली दल भी मुक्तसर में करेगा सियासी कांफ्रेंस

चंडीगढ़ (हिंस)। देशद्रोह समेत कई मामलों में जांच का सामना करते हुए असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तानी सांसद अमृतपाल सिंह ने पंजाब में नया राजनीतिक दल बनाने का एलान किया है। अमृतपाल सिंह सांसद बनने के बाद भी जेल में ही बंद है। पंजाब की राजनीति में लोहड़ी के बाद मकर सक्रांति पर मुक्तसर में होने वाली राजनीतिक कांफ्रेंस का बड़ा महत्व माना जाता है। कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह ने 14 जनवरी को नए राजनीतिक दल का एलान करने की बात कही है। अमृतपाल समर्थकों ने पंथ बचाओ, पंजाब बचाओ रैली का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। रैली में अमृतपाल सिंह के पिता और उनके करीबी सहयोगी पार्टी की घोषणा करेंगे। अमृतपाल सिंह के इस कदम से क्षेत्रीय राजनीति में हलचल मच गई है। उनकी पार्टी के मुद्दे राज्य में सिख समुदाय के हितों की रक्षा करना और पंजाब की स्थानीय समस्याओं जैसे बेरोजगारी, कृषि संकट और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसके साथ ही वह नशे के खिलाफ भी आवाज उठाएंगे। अमृतपाल के इस कदम को शिरोमणि अकाली दल में मची उथल-पुथल के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। इस बीच शिरोमणि अकाली दल ने इस साल 14 जनवरी को मुक्तसर के माघी मेले में सियासी कांफ्रेंस करने का एलान किया है। अकाली दल प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री दलजीत सिंह चीमा के अनुसार 14 जनवरी को माघी के अवसर पर श्री मुक्तसर साहिब में एक विशाल वार्षिक अकाली सम्मेलन आयोजित करेंगे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सम्मेलन में शिरोमणि अकाली दल के सभी वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे।

पंजाब में श्रीलंकाई नागरिकों के अपहरण में दो गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर पुलिस ने श्रीलंका के दो नागरिकों का अपहरण कर फिरौती मांगने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने भारत में घूमने आए श्रीलंकाई नागरिकों को अल्बानिया का वर्क वीजा दिलवाने का झांसा दिया था। आरोपियों ने श्रीलंकाई नागरिकों को अमृतसर बुलाकर उनका अपहरण कर लिया और उनके दोस्तों से आठ हजार अमेरिकी डॉलर की फिरौती मांगी। पुलिस ने मामले की सूचना मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई की और दोनों किडनैप नागरिकों को होशियारपुर से बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों ने फिरौती के लिए श्रीलंकाई नागरिकों को एक होटल में रखा था और बाद में उन्हें साथ ले जाकर फिरौती की मांग की थी। अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर ने बताया कि एक साजिश के तहत श्रीलंकाई नागरिकों को आरोपियों ने अपने जाल में फंसाया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अरोपियों की योजना धोखाधड़ी और अपहरण को नाकाम कर दिया।

किसान नेता डल्लेवाल को मरवाना चाहते हैं कुछ गल्लेवाल : नवीन जयहिंद

जींद (हिंस)। जुलाना कस्बे के वार्ड 11 में गुरुवार को जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद पहुंचे। जुलाना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नवीन जयहिंद ने कहा कि आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता डल्लेवाल को कुछ गल्लेवाल मरवाना चाहते हैं। गल्लेवालों को राजनितिक पार्टियों से सैटिंग कर गल्ले भरने से मतलब है। उन्हें कोई मरे या जिए। इससे कोई मतलब नहीं है। नवीन जयहिंद ने कहा कि एसवाईएल का पानी हरियाणा का हक है। इस मुद्दे पर कोई भी पंजाब या हरियाणा को नेता बात नहीं कर रहा है जबकि सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि एसवाईएल का पानी हरियाणा का हक है। उन्होंने खाना और दान मुहिम चलाई है। इसके लिए वो पूरे हरियाणा का दौरा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के खिलाड़ियों की माताओं को किया सम्मानित

गुरुग्राम (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को गुरुग्राम में क्रीड़ा भारती की हरियाणा प्रांतीय ईकाई की ओर से पैरालंपिक व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों की माताओं का सम्मान किया। यह सम्मान उन्होंने वीर माता जीजा बाई प्रांत स्तरीय सम्मान समारोह में दिया। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की माताओं को सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु द्रोण की नगरी गुरुग्राम में आयोजित माता जीजा बाई सम्मान समारोह खेल के क्षेत्र में माताओं की भूमिका का उत्सव है। देश-दुनिया में परचम लहराने वाले खिलाड़ियों की माताओं का सम्मान गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह समारोह न केवल हमारे खिलाड़ियों के प्रति बल्कि उनकी माताओं के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हर बड़ी सफलता के पीछे मां का हाथ होता है। ऐसी माताओं का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है। इससे नई पीढ़ी को प्रेरित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने क्रीड़ा भारती की हरियाणा प्रदेश की इकाई को भी इस अनूठी पहल के लिए बधाई दी। साथ ही संस्था को 21 लाख रुपए की सहयोग राशि देने की घोषणा की। नायब सिंह सैनी ने माताओं के ऐतिहासिक योगदान को याद दिलाते हुए कहा कि माता जीजा बाई, जिनके नाम से समारोह का आयोजन किया गया है, उन्होंने अपने बेटे छत्रपति शिवाजी महाराज को एक सच्चे योद्धा और

नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार किया था। उनकी दूरदृष्टि और परिश्रम से देश को शिवाजी महाराज के रूप में ऐसा महान योद्धा मिला, जिसने उस समय स्वराज की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेरिस ओलंपिक 2024 में 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। पैरालम्पिक में भी देश को मिले 29 पदकों में से 8 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार ने मेजर ध्यानचंद सम्मान सहित अर्जुन अवॉर्ड के लिए प्रदेश के कई खिलाड़ियों का नाम चयनित किया है। इसमें मनु भाकर सहित स्वीटी बूरा व अन्य कई नाम शामिल हैं। कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा की जनसंख्या देश में दो प्रतिशत के बराबर है, बावजूद इसके खेल में पदक विजेताओं ने इसे नंबर वन बनाया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी का पदक न केवल परिवार को गौरवान्वित करता है बल्कि इससे पूरा समाज, प्रदेश और राष्ट्र का गौरव बढ़ता है। खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि सबसे निस्वार्थ रिश्ता मां का होता है। देश को गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ियों की माताओं का आशीर्वाद प्राप्त करना गौरव का विषय है।

संभल प्रकरण पर पत्रकार वार्ता करने पहुंचे यति नरसिंहानंद को पुलिस ने किया वापस

मुरादाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के संभल स्थित विवादित जामा मस्जिद और हरिहरनाथ मंदिर को लेकर गुरुवार को मुरादाबाद में पत्रकार वार्ता करने पहुंचे गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती को जिले की सीमा में प्रवेश करते ही स्थानीय पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और वार्ता करके वापस गाजियाबाद भेज दिया। मुरादाबाद के पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि गाजियाबाद निवासी महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज मुरादाबाद आ रहे थे। महामंडलेश्वर को मुरादाबाद में संभल के हरिहरनाथमंदिर प्रकरण को लेकर पत्रकार वार्ता करनी थी। इसको लेकर प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं ली गई थी। इसलिए सुबह से ही पुलिस अलर्ट मोड में थी।

विपक्षी नेताओं के बहकावे में न आएं बीपीएससी अभ्यर्थी : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना (हिंस)। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थियों को मौकापरस्त विपक्षी नेताओं के बहकावे में आने से बचना चाहिए। अपने राजनीतिक स्वार्थ को साधने के लिए मुट्ठीभर लोग अनावश्यक भ्रम फैलाकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश में जुटे हुए हैं, जबकि इनकी प्राथमिकताओं में छात्र हित कहीं भी नजर नहीं आता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूर्वनियोजित साजिश के तहत मुद्दाविहीन विपक्ष बीपीएससी अभ्यर्थियों को ढाल बनाकर नीतीश सरकार को बदनाम करना चाहती है लेकिन उनकी यह मंशा कभी कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि छात्रों के शैक्षणिक और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में हमारे नेता नीतीश कुमार ने देश भर में अनूठा मिसाल कायम किया है, जिसे चाहकर भी कोई नकार नहीं सकता। उमेश सिंह कुशवाहा कहा कि नीतीश कुमार ने वर्ष 2020 में सात निश्चय के तहत 10 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया था, जिसमें से अब तक 9 लाख से अधिक लोगों को नौकरियां मिल चुकी है और 2025 चुनाव से पहले 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार द्वारा अब तक 24 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है और देश में ऐसा कोई दूसरा उदारहण नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि छात्रों के प्रति नीतीश सरकार संवेदनशील है और मुख्य सचिव के माध्यम से उनके प्रतिनिधिमंडल से लगातार वार्ता भी हो रही है। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारी सरकार पूरी मजबूती से छात्रों के साथ खड़ी है। विपक्षी पार्टियों को राजनीतिक रोटी सेंकने से बाज आना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विधानसभा क्षेत्र में लगे लापता के पोस्टर

जोधपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में सरदारपुरा विधायक अशोक गहलोत के खिलाफ उनकी विधानसभा क्षेत्र की सांसी कॉलोनी रातानाडा बस्ती में विकास कार्य नहीं होने पर क्षेत्रवासियों ने विरोध का अनूठा तरीका अपनाया है। यहां क्षेत्रवासियों की तरफ से दीवारों व खंभों पर लापता विधायक अशोक गहलोत के पोस्टर लगाए गए हैं। वार्ड नंबर 69 स्थित सांसी कॉलोनी और रातानाडा की बस्तियों में जगह-जगह लापता विधायक के पोस्टर लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि अशोक गहलोत के पूरे राजनीतिक जीवन में पहली बार इस तरह का विरोध हुआ है। क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह सांसी ने बताया कि क्षेत्रवासियों में विधायक अशोक गहलोत के प्रति गहरी नाराजगी है। चुनाव के बाद से वे ना तो क्षेत्र में लौटे और ना ही जनता से संवाद स्थापित किया। उनके विधायक कोष से किसी भी प्रकार का विकास कार्य नहीं हुआ है। इसी कारण लोगों ने धीरे-धीरे पोस्टर

लगाकर अपनी नाराजगी और विरोध प्रकट करना शुरू कर दिया है। बस्ती की सड़कों, पानी की व्यवस्था और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं अब भी खराब स्थिति में हैं। बस्ती के लोगों का कहना है कि अशोक गहलोत केवल चुनाव के समय आते हैं, झूठे वादे और प्रलोभन देकर चले जाते हैं। पिछले कई वर्षों से उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। बस्ती के नजदीक से एयरपोर्ट से आते हैं और गुजर जाते हैं लेकिन बस्ती की तरफ मुड़कर भी नहीं देखते हैं। यह बेहद दुखद और शर्मनाक है कि अशोक गहलोत जैसे पूर्व मुख्यमंत्री हमारे क्षेत्र के विधायक हैं। वे अपने क्षेत्र की बस्तियों में आज तक कोई बड़ा काम नहीं कर पाए। बस्ती में स्थित राजकीय बालिका विद्यालय में शौचालय तक नहीं है। बालिकाओं को शौच के लिए घर जाना पड़ता है। यह हमारे क्षेत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह विरोध केवल पोस्टरों तक सीमित नहीं रहेगा। यदि विधायक ने जल्द ही जनता की बात नहीं सुनी तो विरोध प्रदर्शन और अधिक तेज किया जाएगा। विधायक ने जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया तो सड़कों पर उतरा जाएगा। इस तरह घटना के बाद राजस्थान की राजनीति में विरोधी नेताओं की ओर से प्रतिक्रिया आना शुरू हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि झारखंड में कोई पेड़ गिर जाए तो भी प्रतिक्रिया देने वाले हमारे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खुद के शहर जोधपुर में उनके लापता होने के पोस्टर जनता लगा रही है। जगह-जगह पोस्टरों पर लिखा गया है कि हमारे विधायक लापता हैं, थै मासे दूर हो गया अशोक, अशोक गहलोत विधायक सरदारपुरा एवं पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार अपनी विधानसभा से चुनाव के बाद से लापता है। कहीं दिखे तो बोलिए की विधानसधा में जाए और विकास के लिए कुछ करें।

सालासर धाम में केजरीवाल के सामने लगे मोदी-मोदी के नारे

चूरू (हिंस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने हजारों लोगों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। इस दौरान उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल भी मौजूद रही। नए साल के मौके पर केजरीवाल सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे। मंदिर से बाहर निकलते ही हजारों लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। हालांकि, अरविंद केजरीवाल व उनकी पत्नी सुनीता मुस्कुराते हुए हाथ जोड़कर निकल गए। केजरीवाल बुधवार रात दर्शन करने पहुंचे थे। यहां मंदिर में उन्होंने पूजा-अर्चना की। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को जेड प्लस सिक्योरिटी मिली है, लेकिन फिर भी लोग उनके काफिले के पास पहुंच गए। मदिर में अरविंद केजरीवाल ने बालाजी महाराज के दर्शन कर पूजा अर्चना करते हुए मन्नत का नारियल भी बांधा। मंदिर के पुजारी ने बालाजी महाराज की तस्वीर भेंट कर उनका स्वागत किया।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

पटना (हिंस)। बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गुरुवार को पद और गोपनीयता की शपथ। पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रण ने उन्हें राजभवन के राजेंद्र मंडप हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में दिलाई। मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्य सरकार के कई मंत्री और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे। नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान 30 दिसंबर को पटना पहुंचे। इससे पूर्व, वे केरल के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे। वहीं, बिहार के पूर्व राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को अब केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। आर्लेकर को मंगलवार को पटना से विदाई दी गई। उन्होंने 22 महीने तक बिहार के राज्यपाल के पद पर कार्य किया।

पत्नी का घूंघट न करना पति को तलाक लेने का आधार नहीं देता : हाईकोर्ट

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी के घूंघट नहीं करने को तलाक का आधार मानने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने पति की इस दलील को मानने से इनकार कर दिया है कि पत्नी के पर्दा न रखने से उसे मानसिक क्रूरता के आधार पर तलाक लेने का अधिकार मिल सकता है। हालांकि विवाह को खत्म करने की मांग वाली अपील को कोर्ट ने स्वीकार करते हुए किसी प्रकार की एलुमनी राशि का प्रावधान न होने का निर्णय दिया। कोर्ट ने क्रूरता के मुद्दे के संबंध में इस दावे को स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि पत्नी स्वतंत्र इच्छाशक्ति वाली रही है, जो बाजार व अन्य स्थानों पर जाती थी और घूंघट (पर्दा) का पालन नहीं करती थी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह एवं न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की खंडपीठ ने मानसिक क्रूरता और परित्याग के आधार पर दाखिल गाजीपुर निवासी एक पति की अपील पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि पत्नी का स्वतंत्र इच्छाशक्ति वाला या ऐसा होना, जो अपने दम पर यात्रा करता है या नागरिक समाज के अन्य सदस्यों से मिलता है, बिना किसी अवैध या अनैतिक संबंध बनाए, इसे क्रूरता का कार्य नहीं कहा जा सकता है। पति का कहना था कि पत्नी द्वारा पर्दा (घूंघट) का पालन न करने से उसे मानसिक क्रूरता के आधार पर तलाक प्राप्त करने का अधिकार है। खंडपीठ ने कहा कि जहां पत्नी को ऐसे कृत्यों और अन्य कृत्यों का श्रेय दिया गया है, वहां इन्हें क्रूरता के कृत्यों के रूप में स्वीकार करना मुश्किल है और फिर जहां दोनों पक्ष शिक्षित हैं। खंडपीठ ने पत्नी द्वारा किए गए अपमान के आरोप पर कार्रवाई नहीं करने के पारिवारिक न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पति ने ऐसे कृत्यों का वर्णन समय या घटना के स्थान के विवरण के साथ नहीं किया है, न ही उन्हें साबित किया गया है। जहां तक पत्नी के अनैतिक संबंध के आरोप का संबंध है, पति की ओर से कोई निर्णायक सबूत नहीं दिया जा सका। पत्नी के पंजाबी बाबा के साथ अनैतिक संबंध बनाने के आरोप में कोई अन्य तथ्य साबित करने का प्रयास नहीं किया गया और कोई प्रत्यक्ष या विश्वसनीय साक्ष्य भी नहीं दिया जा सका। पारिवारिक न्यायालय के समक्ष सिद्ध हुआ था कि पंजाबी बाबा अपीलार्थी की आवासीय कॉलोनी में रहता था और क्षेत्र के निवासियों के विरोध के कारण उसे वहां से जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन यह स्थापित नहीं किया जा सका कि पंजाबी बाबा ने अपीलार्थी की पत्नी के साथ कोई अनैतिक या अन्य संबंध बनाए हैं।

श्री राम कथा महोत्सव के सातवें दिन निकाली गई प्रभात फेरी

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज में आयोजित श्री राम कथा महोत्सव के सातवें दिन गुरुवार को बालसंत श्री हरि दास जी महाराज के नेतृत्व में भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। कथा स्थल से निकली प्रभात फेरी गोढियारे रोड, साह टोला, दीनदयाल चौक, छुआपट्टी दुर्गा स्थान होते हुए कथा स्थल पर जाकर समाप्त हुई। प्रभात फेरी मार्ग के दौरान स्थानीय श्रद्धालुओं के द्वारा अपने अपने दरवाजे पर रंगोली बनाकर दीप जलाए गए थे।खास कर साह टोला के निवासी पुष्प वर्षा कर प्रभात फेरी का स्वागत किया। प्रभात फेरी में हेमू बोथरा, पूनम पांडिया, आजाद शत्रु अग्रवाल, राजू साह राधे राधे, विजय लखोटिया, धमांगी लाल गोल्यान, मोती लाल, पप्पू फिटकरी वाला, संजय अग्रवाल, काव्या, रक्षा, हंसी, केशव, आकाश के अलावा सैकड़ों श्रद्धालु भाग लिए। बालसंत श्री हरि दास जी ने कथा में भगवान श्री राम के वनवास प्रंसग का वर्णन विस्तार से किया।

रामायण के अनुसार, जब श्री रामजी का वन गमन हुआ तो मार्ग में श्रृंगवेरपुर पहुंचे। जहां निषाद राज का राज्य था, यही पर गंगा तट पर उन्होंने केवट से गंगा पार कराने को कहा। श्री राम और केवट के वार्तालाप की सजीव झांकी द्वारा प्रस्तुति की गई। श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे उनकी दृष्टि में छोटे बड़े का भेद नहीं था। सभी को उचित सम्मान देना उनकी प्राथमिकता में शामिल था। श्री राम सीता लक्ष्मण, निषाद राज और केवट के पुरे परिवार की सजीव झांकी अन्य झांकियों में आकर्षण का केंद्र बनी सभी प्रस्तुति के समय मंत्र मुग्ध थे। कथा समाप्त होने पर श्रोताओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। व्यवस्था बनाए रखने में पूनम पांडिया, विजय लखोटिया, संजय अग्रवाल, मदन मोहन कनौजिया, विभाष गुप्ता, काव्या, रक्षा, आकाश संदीप डाबरीवाल प्रमुख रूप से सक्रिय रहे।

स्टॉक मार्केट में आन्या पॉलिटेक की जोरदार एंट्री,लिस्टिंग के तुरंत बाद लगा अपर सर्किट, निवेशकों को पहले दिन ही 28.21 प्रतिशत का मुनाफा

नई दिल्ली

फर्टिलाइजर और फर्टिलाइजर बैग बनाने वाली कंपनी आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के शेयरों की आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 14 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज इन शेयरों की लिस्टिंग 22.14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 17.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। इसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये शेयर 17.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 28.21 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।

आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स का 44.80 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस इश्यू को हर कैटेगरी के निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला, जिससे ये ओवरऑल 439.8 गुना सब्सक्राइब हो गया। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 150.8 गुना सब्सक्रिप्शन आया। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,100.39 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 321.53 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 3.20 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल एक्सपेंडिचर और वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने में करेगी। इसके साथ ही कंपनी की सब्सिडियरी यारा ग्रीन एनर्जी और अरावली फास्फेट के वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने में करेगी। साल 2011 से काम कर रही आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स हाई डेनसिटी पालीएथिलीन और पॉलीप्रोपिलीन बैग का उत्पादन करने के साथ ही जिंक सल्फेट खाद भी बनाती है। वित्त वर्ष 2021-22 में इस कंपनी को 70.22 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो 2022-23 में बढ़कर 5.70 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

वारी एनर्जीज को 150 मेगावाट सोलर मॉड्यूल का ठेका मिला

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज को भारत में एक प्रमुख नवीकरणीय परियोजना के लिए 150 मेगावाट क्षमता के सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका हासिल हुआ है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि इस ठेके में वारी के प्रमुख उच्च दक्षता वाले ग्लास एन-टाइप टॉपकॉन बाइफेसियल मॉड्यूल की आपूर्ति शामिल है, जिसकी रेटिंग 585/590डब्ल्यूपी है। इन मॉड्यूल को उनके स्थायित्व, असाधारण ऊर्जा उत्पादन और उन्नत प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता है। मॉड्यूल की आपूर्ति अगले वित्त वर्ष 2025-26 में की जानी है। इस परियोजना के कार्यान्वयन से भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ेगी, जिससे 'ग्रीनहाउस गैस' उत्सर्जन में कमी आएगी और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

बैंकों और बीमा कंपनियों को सरकार ने दिए सख्त निर्देश

मुंबई। वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और बीमा कंपनियों को सख्त निर्देश दिए कि वह ग्राहकों की शिकायतों का जल्द और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू की अध्यक्षता में हाल ही में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें शिकायतकर्ताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा कंपनियों और नियामक शामिल हुए। इस बैठक का उद्देश्य शिकायत निवारण की प्रक्रिया और उसकी गुणवत्ता का आकलन करना था। इससे पहले सचिव ने 26 दिसंबर को आयोजित प्रगति बैठक में दिए गए प्रधानमंत्री के निर्देश को दोहराया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों के चेयरमैन/प्रबंध निदेशक/कार्यकारी निदेशक स्तर के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को समाधान की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए हर महीने निस्तारित शिकायतों में कम-से-कम 20 मामलों की समीक्षा करनी चाहिए। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने पाया कि ग्राहकों ने जो शिकायतें कीं, उनमें से ज्यादार सही थीं। उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान करते समय ग्राहकों की संतुष्टि केंद्र में होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायत निवारण में कोई भी ढिलाई/लापरवाही ग्राहक सेवा के लोकाचार के खिलाफ है और संगठन की प्रतिष्ठा/ब्रांड मूल्य को कम करती है। सचिव ने कहा कि सार्वजनिक शिकायतों का समयबद्ध तरीके से ईमानदारी और सकारात्मक रुख के साथ समाधान किया जाना चाहिए। नागराजू ने बार-बार होने वाली वाली शिकायतों को कम करने और दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग की जरूरत बताई।

नए साल में मुकेश अंबानी 40,000 करोड़ का ला रहे हैं आईपीओ

मुंबई। भारत और एशिया के सबसे अधिक रईसों में से एक मुकेश अंबानी अब तक के सबसे बड़े आईपीओ लाने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार रिलायंस जियो का आईपीओ जल्द लॉन्च हो सकता है, जिसकी अनुमानित राशि 35,000 से 40,000 करोड़ रुपए होगी। सूत्रों के मुताबिक इस आईपीओ में ऑफर फॉर सेल के साथ-साथ ताजा शेयर भी जारी किए जाएंगे। यह आईपीओ 2025 की दूसरी छमाही में लॉन्च हो सकता है। हुंडई मोटर इंडिया पिछले साल 27,870.16 करोड़ रुपए का आईपीओ लाई थी जो देश में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस जियो के आईपीओ के लिए प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर शुरुआती बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है। इनवेस्टमेंट बैंकर्स का कहना है कि यह इश्यू बड़ा हो सकता है और इसमें सब्सक्रिप्शन की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। प्री-प्लेसमेंट की राशि इस बात पर निर्भर करेगी कि इसमें फ्रेश इश्यू का साइज क्या होगा। ओएफएस और फ्रेश इश्यू का हिस्सा कितना होगा, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। इस बारे में रिलायंस की ओर से कोई जबाव नहीं आया। सूत्रों का कहना है कि रिलायंस जियो के आईपीओ में ओएफएस कंपोनेंट अहम होगा क्योंकि इससे कई मौजूदा निवेशकों को अपनी हिस्सेदारी बेचने का मौका मिलेगा। कंपनी में विदेशी निवेशकों की 33 फीसदी हिस्सेदारी है। रिलायंस ने साल 2020 में अबू धाबी इनवेस्टमेंट फंड, केकेआर, मुबादला और सिल्वर लेक जैसे विदेशी फंड्स से 18 अरब डॉलर जुटाए थे।

शेयर बाजार से निवेशकों को मिला न्यू ईयर गिफ्ट, तूफानी तेजी से उछले सेंसेक्स और निफ्टी

निवेशकों को 1 दिन में 6.01 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को जीएसटी कलेक्शन के शानदार आंकड़े, आईटी सेक्टर की उछाल और अच्छे तिमाही नतीजे की उम्मीद के कारण जोरदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव भी बना, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में जबरदस्त तेजी आ गई। इस तेजी के कारण सेंसेक्स 1,525 अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में 483 अंक से अधिक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.83 प्रतिशत और निफ्टी 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। इनमें ऑटोमोबाइल इंडेक्स 3.79 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह आईटी इंडेक्स 2.26 प्रतिशत तक उछल गया। टेक इंडेक्स ने 2.19 प्रतिशत और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स ने 2.02 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा बैंकिंग, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी इंडेक्स भी अच्छी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.89 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 450.44 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.43 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.01 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,058 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,395 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,574 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 89 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,519 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,624 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 895 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर बढ़त के साथ और 1 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 48 शेयर हरे निशान में और 2 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 150.11 अंक की तेजी के साथ 78,657.52 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक लुढ़क कर 78,542.37 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया।

खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने ऊपर चढ़ना शुरू कर दिया। बीच-बीच में मुनाफा वसूली भी होती रही। इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल में लगातार तेजी बनी रही। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले ये सूचकांक 1,525.46 अंक उछल कर 80,032.87 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी आधे घंटे के कारोबार में हुई मामूली बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 90 अंक फिसल कर 1,436.30 अंक की बढ़त के साथ 79,943.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 40.10 अंक की मजबूती के साथ 23,783 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने पर पहले 10 मिनट में ही ये सूचकांक गिर कर 23,751.55 अंक तक आ गया। इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से तेजड़ियों ने अपना कब्जा कर लिया। लगातार हो रही खरीदारी के कारण का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 483.80 अंक की छलांग लगा कर 24,226.70 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, इसके बाद हुई मामूली मुनाफा वसूली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 40 अंक लुढ़क कर 445.75 अंक की तेजी के साथ 24,188.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स 8.65 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 7.88 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 6.54 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 5.65 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 4.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

देश का गैर-जीवन बीमा उद्योग 2025 में कर सकता है दोहरे अंकों की वृद्धि

कंपनियों के विकास में मददगार होगा बल्कि ग्राहकों को भी बीमा की पहुंच में सुधार आएगा

कोलकाता

भारत में सामान्य बीमा की पहुंच स्थिर रहने के बावजूद, गैर-जीवन बीमा कंपनियों ने नवाचारिक उत्पादों की पेशकश कर दी है और उन्हें अनुकूल नियामकीय माहौल में लौटने की उम्मीद है। हितधारकों ने बताया कि गैर-जीवन बीमा उन्हें अनायास मुद्रिक सुरक्षा प्रदान करता है जब उन्हें दुर्घटनावश नुकसान का सामना करना पड़ता है। विभिन्न प्रकार के बीमा जैसे अग्नि, समुद्री, मोटर, घर, कारखाना, स्वास्थ्य, यात्रा और दुकान बीमा इसके उदाहरण हैं। निजी बीमा कंपनियों के अनुसार जीएसटी से राहत और मोटर थर्ड पार्टी दरों पर पुनर्विचार के मामले में जो परिणाम होंगे, उन्हें आशा है कि उद्योग वह पूरा कर पाएगा। दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा में वृद्धि की गति बढ़ने की उम्मीद है जो गैर-मोटर और गैर-स्वास्थ्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विस्तार के साथ आने की संभावना है। इस विस्तार के चलते गैर-मोटर में व्यापक खतरों का बीमा भी शामिल है जैसे आग, टूट-फूट, चोरी, भूस्खलन, बाढ़, वर्षा और भूकंप। अनुमान है कि उपयोग में डिजिटल ढांचे के साथ उद्योग में 14 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि होगी, जो उद्योग को कुशलता में बढ़ोतरी और जोखिमों को कम करने में मदद करेगी।

सुधारों पर फोकस

बीमा क्षेत्र में सुधार को देखते हुए कंपनियों ने ध्यान दिया है कि उत्पाद विकास, बीमा और ग्राहक सेवा में वृद्धि की जाए ताकि बीमा की पहुंच छोटे स्थानों तक हो सके। इसके साथ ही उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए साइबर बीमा और पैरामीट्रिक बीमा का महत्व माना है। इरेडा की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बीमा क्षेत्र में आगामी वर्षों में महत्वपूर्ण वृद्धि की संभावना है, जिससे प्रीमियम में वृद्धि होगी। इससे उद्योग में नई दिशा देखने की उम्मीद है जो न केवल कंपनियों के विकास में मददगार होगा बल्कि ग्राहकों को भी बीमा की पहुंच में सुधार लाएगा।

नोएडा के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ईंधन की आपूर्ति करेगा आईओसीएल

मुंबई/नई दिल्ली

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए) पर ईंधन भरने की सेवाएं प्रदान करेगा। नोएडा हवाई अड्डे का उद्घाटन अगले वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में होने की संभावना है।

एयरपोर्ट संचालक ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि 30 साल के रियायत समझौते के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनी आईओसीएल हवाई अड्डे के परिसर में तीन स्थानों पर ईंधन स्टेशन संचालित करेगी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि आईओसीएल के साथ हमारा सहयोग एनआईए की परिचालन तत्परता की यात्रा में एक और मील का पत्थर है। आईओसीएल के साथ साझेदारी करके हम हवाई अड्डे पर निर्बाध और कुशल ईंधन सेवाएं सुनिश्चित करेंगे। आईओसीएल के नोएडा मंडल कार्यालय के प्रमुख (मंडल खुदरा बिक्री) सुमीत मुंशी ने कहा कि यह सहयोग नवाचार, स्थिरता और ग्राहक सुविधा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

उच्च ब्याज दरों, निर्यात वित्त में गिरावट से प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो रही है: बुधिया

सरकार और बैंकों को मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत

नई दिल्ली

भारतीय निर्यातक निर्यात के क्षेत्र में बढ़ रही चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उच्च ब्याज दरों और निर्यात वित्त में गिरावट ने उन्हें चुनौतियों का सामना करने पर मजबूर कर दिया है।

इस संकट से निपटने के लिए, भारतीय उद्योग परिसंघ की निर्यात-आयात पर राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने सरकार और बैंकों को मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत बताई। उनके सुझावों में शामिल है, एमएसएमई के लिए ब्याज समानीकरण योजना को बढ़ाना और निर्यात ऋणों के लिए ब्याज सब्सिडी को वृद्धि देना। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन भी मांग कर रही है कि बजट में इस योजना की अवधि को बढ़ाया जाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इस दिशा में कदम उठाने का संकेत दिया है।

निर्यातकों की मांग है कि विदेशी परियोजनाओं के लिए ऋण पत्र सुविधाओं का विस्तार किया जाए ताकि उन्हें अधिक सहायता मिल सके। बुधिया ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्यात ऋण गारंटी कार्यक्रमों में और अधिक कवरेज प्रदान करने की सलाह दी। इससे भारतीय निर्यातकों को सहायता मिल सकती है और उन्हें अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इस विप्लवकारी समय में भारतीय निर्यातकों के लिए सरकार और साझेदार संस्थानों के साथ हाथ मिलाकर विशेष योजनाएं बनाकर उनकी मदद करने की जरूरत है।

ग्लोबल मार्केट में दिखे कमजोरी के संकेत

एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से गुरुवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी और यूरोपीय बाजार में नए साल के मौके पर छुट्टी होने की वजह से कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में भी कमजोरी नजर आई।

नए साल की छुट्टी के कारण पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट में कोई कारोबार नहीं हुआ, जिसकी वजह से डाउ जॉन्स, एसएंडपी 500 और नैस्डेक में कोई बदलाव नहीं हुआ। दूसरी ओर छुट्टी के बाद डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में बढ़त के साथ कारोबार होता हुआ नजर आया। फिलहाल ये सूचकांक 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,618.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एशियाई बाजारों में गुरुवार को आमतौर पर कमजोरी का माहौल बना रहा। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में हैं।

वहीं टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,928 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,124.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,783.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.35 प्रतिशत फिसल कर 2,391.09 अंक तक गिर गया है।

हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 294.69 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,765.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.16 प्रतिशत टूट कर 1,383.93 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.05 प्रतिशत फिसल कर 3,316.50 अंक के स्तर पर और ताइवान वेटेड इंडेक्स 235.45 अंक यानी 1.02 प्रतिशत लुढ़क कर 22,799.65 अंक के स्तर तक गिर गए हैं।

रिचार्ज महंगा होने से बढ़ा टेलीकॉम का राजस्व, मोबाइल ग्राहक घटे

मुंबई। दूरसंचार कंपनियों का कुल राजस्व सालाना आधार पर सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 91,426 करोड़ रुपये रहा है। यह वह अवधि है, जब मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने शुल्क दरें बढ़ाई थीं। दूरसंचार नियामक ट्राई की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में संकेत देने वाली तिमाही रिपोर्ट के अनुसार, समायोजित सकल राजस्व 13.11 प्रतिशत बढ़कर 75,310 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 66,583 करोड़ रुपये था। समायोजित सकल राजस्व पर सरकार अपने शुल्क की गणना करती है।

निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों एयरटेल, जियो और वोडाफोन आइडिया ने अपनी मोबाइल सेवाओं की दरों में 11-25 प्रतिशत की वृद्धि की है। शुल्क दर में वृद्धि के बाद कंपनियों ने प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) में वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, इससे कंपनियों ने ग्राहक भी गंवाये। रिपोर्ट के मुताबिक, मोबाइल सेवाओं के लिए मासिक एपीआरयू सितंबर तिमाही में 9.60 प्रतिशत बढ़कर 172.57 रुपये हो गया, जो जून तिमाही में 157.45 रुपये था। वहीं सितंबर तिमाही में प्री-पेड कनेक्शन के लिए एआरपीयू सितंबर तिमाही में 171 रुपये और पोस्ट-पेड सेगमेंट में 190.67 रुपये था। मोबाइल ग्राहकों की संख्या तिमाही आधार पर जुलाई-सितंबर, 2024 में 1.68 करोड़ घटकर 115.37 करोड़ रही, जो जून तिमाही में 117 करोड़ थी। सार्वजनिक क्षेत्र की और कर्ज में डूबी एमटीएनएल का राजस्व तिमाही के दौरान 9.41 प्रतिशत घटकर 152.81 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 168.69 करोड़ रुपये था

भारतीय ड्रेसिंग रूम से लीक खबरों पर कोच गंभीर बोले–ये केवल रिपोर्ट्स हैं, सच्चाई नहीं

सिडनी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज में मेजबान ऑस्ट्रेलिया 2-1 से आगे है। सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच शुक्रवार (3 जनवरी) से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। इस टेस्ट मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने ड्रेसिंग रूम की लीक खबरों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ये केवल रिपोर्ट्स हैं, सच्चाई नहीं। यहां मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोच गंभीर ने कहा कि ये सिर्फ रिपोर्ट्स हैं, ये सच नहीं है और ईमानदारी से कहूं तो मुझे किसी भी रिपोर्ट का जवाब देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी बहुत महत्वपूर्ण है। अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं और कुछ महान चीजें हासिल करना चाहते हैं, तो ईमानदारी बेहद महत्वपूर्ण है। गंभीर ने कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय क्रिकेट हमेशा सुरक्षित हाथों में रहेगा, जब तक उस कमरे में ईमानदार लोग बैठे हैं। ईमानदारी किसी भी बदलाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है। यह वरिष्ठ खिलाड़ियों को बाहर करने या युवाओं को लाने के बारे में नहीं है। आखिरकार, केवल एक चीज जो आपको उस ड्रेसिंग रूम में रख सकती है, वह है प्रदर्शन। यह हम सभी से शुरू होता है। केवल खिलाड़ियों से ही नहीं, बल्कि कोचों से भी। कप्तान रोहित के सिडनी टेस्ट खेलने के सवाल के जवाब में गंभीर ने कहा कि हम विकेट को देखेंगे और कल इस पर अंतिम फैसला लेंगे।

इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय कप्तान के न खेलने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने दोहराया कि जैसा कि मैंने अभी कहा, हम विकेट को देखेंगे और संभवत: कल ही प्लेइंग इलेवन की घोषणा करेंगे।

सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के साथ बातचीत के सवाल पर उन्होंने कहा कि केवल एक ही बातचीत हुई है कि हम अगला टेस्ट मैच कैसे जीत सकते हैं क्योंकि हम सब जानते हैं कि यह टेस्ट मैच कितना महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा और कोई बातचीत नहीं हुई है। कुछ खिलाड़ियों के एक ही तरीके से आउट होने के बारे में कोच गंभीर ने कहा कि हर कोई जानता है कि उसे किस क्षेत्र में काम करना है। जब आप देश के लिए खेलते हैं, तो हर व्यक्ति यही कोशिश करता है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ दे सके।

न्यूज ब्रीफ

यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट : चीन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा अमेरिका

सिडनी। स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ और टेलर फ्रट्ज़ ने बुधवार को अपने एकल मुकाबलों में जीत के साथ चीन को यूनाइटेड कप से बाहर कर शीर्ष वरीयता प्राप्त संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब कजाकिस्तान के साथ यूएसए भी अंतिम चार में शामिल है, जबकि ग्रुप चरण भी छठे दिन पूरा हो गया, जिसमें पोलैंड ने चेकिया को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिटेन को 2-1 से हराया। पर्थ में सर्वोच्च स्थान पर रहने के बाद, क्वार्टरफाइनल में उलटफेर की चीन की संभावनाओं को झटका लगा, जब फॉर्म में चल रहे गाओ शिन्यू को चोट के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा। 175वीं रैंक वाली गाओ ने विश्व की नंबर पांच खिलाड़ी झेंग किनवेन की जगह शानदार प्रदर्शन करते हुए बीट्रीज हदाद मैया और लॉरा सीजमंड को हराया। 205वीं रैंक वाली झांग शुआई ने पर्थ के आरएसी एरिना में कोको गॉफ के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआती सेट में तीन बार उनकी सर्विस तोड़ी। लेकिन विश्व की नंबर तीन खिलाड़ी ने चुनौती का सामना किया और बेसलाइन पर अपनी मारक क्षमता को बढ़ाया और अंततः एक घंटे 34 मिनट में 7-6 (4), 6-2 से जीत हासिल की। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी फ्रिट्ज़ ने एक घंटे और 20 मिनट में झांग झिझेन पर 6-4, 6-4 की शानदार जीत के साथ यूएसए के लिए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर दी। यूएस ओपन के फाइनलिस्ट ने शानदार सर्विस की और झांग के गलतियों से भरे प्रदर्शन का फायदा उठाया, जिन्होंने टूर्नामेंट में 1-2 का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले पर्थ में, कजाकिस्तान ने विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव के हटने का फायदा उठाते हुए जर्मनी के खिताब की रक्षा को समाप्त कर दिया। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट ज्वेरेव ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले बाइसेप्स में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था 254वीं रैंकिंग वाले डेनियल मसूर के सामने ज्वेरेव की जगह लेने का कठिन काम था और उन्होंने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अलेक्जेंडर शेवचेंको ने 6-7 (5), 6-2, 6-2 की जीत के साथ कजाकिस्तान को अंतिम चार में जगह दिलाने के लिए जोरदार वापसी की। दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी एलेना रयबाकिना ने इससे पहले सीजमंड पर 6-3, 6-1 की शानदार जीत के बाद कजाकिस्तान को आगे कर दिया था। यह 2022 विंबलडन चैंपियन की लगातार तीसरी जीत थी, इससे पहले उन्होंने टूर्नामेंट में जेसिका बौज़ास मानेरो और मारिया सक्कारी को हराया था।। इससे पहले सिडनी में, विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने फ्रेंच ओपन की पूर्व फाइनलिस्ट कैरोलिया मुचोवा पर 6-3, 6-4 से जीत हासिल करके अपनी मजबूत वापसी जारी रखी। पुरुष एकल में टॉमस मचैक से ह्यूबर्ट हर्काज़ की तीन सेट की हार के बाद, स्विएटेक को क्वार्टर फाइनल के लिए स्वतः क्वालीफाई करने की पोलैंड की उम्मीदों को जीवित रखने के लिए जीत की आवश्यकता थी। स्विएटेक ने निर्णायक मिश्रित युगल हुरकाज़ के साथ मिलकर मुचोवा और माचैक को 7-6 (3), 6-3 से हराया और ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका हाकी प्रतियोगिता दस जनवरी से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालिका हाकी प्रतियोगिता की शुरूआत 10 जनवरी से महात्मा ज्योतिबा फुले स्पोर्ट्स स्टेडियम इटावा में होने जा रहा है। 15 जनवरी तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के लिए जिला व मंडल स्तर पर टीमों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है।लखनऊ में जिला स्तरीय टीम का चयन छह जनवरी को अपराह्न तीन बजे से होगी। इस संबंध में प्रभारी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि सब जूनियर बालिका वर्ग के लिए एक जनवरी 2008 या उसके पश्चात की जन्मतिथि होनी चाहिए। सभी प्रतिभागियों को पात्रता प्रमाण पत्र एवं जन्मतिथि प्रमाण पत्र साथ लेकर आना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिना आयु प्रमाण पत्र के किसी भी खिलाड़ी को चयन में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस चयन प्रक्रिया के बाद मंडल स्तरीय चयन प्रक्रिया सात जनवरी को अपराह्न तीन बजे के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में ही आयोजित होगी। मंडल स्तर पर चयनित खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

मनु भाकर, विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश और हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह को मिला मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली

डबल ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर को हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, नए विश्व शतरंज चैंपियन डी. गुकेश और पैरा-हाई जम्पर प्रवीण कुमार के साथ मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित जाएगा।

युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। पुरस्कार के लिए आवेदन करने में त्रुटि के कारण शुरुआत में मनु को खेल रत्न जीतने की दौड़ में शामिल एथलीटों की सूची से बाहर कर दिया गया था।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार वितरण 17 जनवरी को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में होगा।

22 वर्षीय भाकर अगस्त में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बन गईं।

इन्हीं खेलों में, हमरनप्रीत ने भारतीय हॉकी टीम को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाया। दूसरी ओर, 18 वर्षीय गुकेश सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने, साथ ही पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम को ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने में भी मदद की।

चौथे प्राप्तकर्ता पैरा हाई-जम्पर प्रवीण होंगे, जिन्हें पेरिस पैरालिंपिक में टी64 चैंपियन का ताज पहनाया गया था। टी 64 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जिनके घुटने के नीचे एक या दोनों पैर गायब हैं और दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर हैं।

खेल मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, पुरस्कार विजेता 17 जनवरी, 2025 (शुक्रवार) को 11 बजे राष्ट्रपति

भवन में एक विशेष रूप से आयोजित समारोह में भारत के राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त करेंगे।

2024 ओलंपिक वर्ष होने के कारण, 32 एथलीटों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिसमें अमन सहरावत, स्वप्निल कुसाले और सरबजोत सिंह जैसे अन्य पेरिस खेलों के पदक विजेता शामिल हैं।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न: मनु भाकर (निशानेबाजी), डी. गुकेश (शतरंज), हरमनप्रीत सिंह (हॉकी) और प्रवीण कुमार (पैरा-एथलेटिक्स)।

अर्जुन पुरस्कार: ज्योति याराजी (एथलेटिक्स), अन्नू रानी (एथलेटिक्स), नीटू (मुक्केबाजी), स्वीटी (मुक्केबाजी), वंतिका अग्रवाल (शतरंज), सलीमा टेटे (हॉकी), अभिषेक (हॉकी), संजय (हॉकी), जरमनप्रीत सिंह (हॉकी), सुखजीत सिंह (हॉकी), राकेश कुमार (पैरा-तीरंदाजी), प्रीति पाल (पैरा-एथलेटिक्स), जीवनजी दीप्ति (पैरा-एथलेटिक्स), अजीत सिंह (पैरा-एथलेटिक्स), सचिन सरजेराव खिलारी (पैरा-एथलेटिक्स), धरमबीर (पैरा-एथलेटिक्स), प्रणव सूरमा (पैरा-एथलेटिक्स), एच होकाटो सेमा (पैरा-एथलेटिक्स), सिमरन (पैरा) - एथलेटिक्स), नवदीप (पैरा-एथलेटिक्स), नितेश कुमार (पैरा-बैडमिंटन), थुलसिमथी मुरुगेसन (पैरा-बैडमिंटन), निथ्या श्री सुमति सिवन (पैरा-बैडमिंटन), मनीषा रामदास (पैरा-बैडमिंटन), कपिल परमार (पैरा-जूडो), मोना अग्रवाल (पैरा-शूटिंग), रूबीना फ्रांसिस (पैरा-शूटिंग), स्वप्निल सुरेश कुसाले (शूटिंग), सरबजोत सिंह (शूटिंग), अभय सिंह (स्क्वैश), साजन प्रकाश (तैराकी), अमन (कुश्ती)।

ओलंपिक बैडमिंटन चैंपियन हुआंग ने लिया चीनी राष्ट्रीय टीम से संन्यास

बीजिंग

बैडमिंटन ओलंपिक चैंपियन हुआंग याकिओंग ने आधिकारिक तौर पर अपने राष्ट्रीय टीम के करियर को अलविदा कह दिया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। हुआंग ने लिखा, मुझे सभी ने अनगिनत प्रोत्साहन दिए हैं, उम्मीद है कि मैं अपना करियर जारी रख पाऊंगी।

लेकिन वास्तव में, पेरिस ओलंपिक की तैयारी के बाद से ही, मैंने पेरिस ओलंपिक को अपना आखिरी ओलंपिक मान लिया था। हालांकि मेरे मौजूदा फॉर्म के आधार पर, मेरे पास अभी भी प्रतिस्पर्धा करने की शारीरिक क्षमता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में लगी चोटों और बढ़ती उम्र ने मुझे देश के लिए गौरव जीतने और एक बेहतरीन एथलीट के रूप में फॉर्म बनाए रखने के मिशन को जारी रखने के लिए आत्मविश्वास की कमी कर दी है। तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में उपविजेता रहने के बाद, हुआंग और उनकी जोड़ीदार झेंग सिवेई ने पेरिस ओलंपिक में अजेय रहते हुए बिना एक भी सेट गंवाए 6-0 के रिकॉर्ड के साथ मिश्रित युगल स्वर्ण पदक जीता। झेंग ने पिछले नवंबर में यह भी घोषणा की थी कि वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से संन्यास ले लेंगे। अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में, इस जोड़ी ने पिछले महीने ही साल के अंत में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन वर्ल्ड टूर फाइनल में लगातार तीसरी बार चैंपियनशिप जीती थी। हुआंग ने कहा कि भले ही उन्होंने राष्ट्रीय टीम छोड़ दी है, लेकिन बैडमिंटन के साथ उनका रिश्ता अभी भी अटूट है। वह अभी भी अपने तरीके से खेल में योगदान देंगी।

शिवा सिंह ने की शानदार गेंदबाजी, इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डिवीजन में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब ने आलमनगर क्रिकेट क्लब को 124 रन से हरा दिया। इस मैच में इंटरनेशनल के गेंदबाज शिवा सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 18 रन देकर छह विकेट चटकाए। इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में नौ विकेट गवांकर 309 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आदित्य दुबे ने सात चौका और एक छक्का की मदद से 26 बाल पर 39 रन बनाये।

यूनाइटेड कप टेनिस

पर्थ में यूनाइटेड कप टेनिस में खेलते हुए एलेकजेंडर ज्वेरेव।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर मार्कस रैशफोर्ड ने क्लब छोड़ने की खबरों को हास्यास्पद करार दिया

मैनचेस्टर

मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर मार्कस रैशफोर्ड ने ओल्ड ट्रैफर्ड से दूर जाने की खबरों की निंदा करते हुए उन्हें हास्यास्पद करार दिया है। रैशफोर्ड मैनचेस्टर की रेड साइड में एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं, रूबेन एमोरिम के आने से पहले वे अक्सर विभिन्न प्रबंधकों के अधीन नियमित स्टार्टर रहे हैं।

हालांकि, प्रबंधकीय परिवर्तन और यूनाइटेड की खेल शैली में बदलाव के बाद से, रैशफोर्ड को शुरुआती 11 में जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पिछले महीने, एक साक्षात्कार में, रैशफोर्ड ने कहा कि वह एक नई चुनौती के लिए तैयार हैं, जिससे संभावित कदम के बारे में अटकलें लगाई जाने लगीं।

मंगलवार को, जब जनवरी में स्थानांतरण विंडो खुली, तो रैशफोर्ड ने अफवाहों को खारिज करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया, उन्होंने कहा, पिछले कुछ हफ्तों में बहुत सारी झूठी कहानियाँ

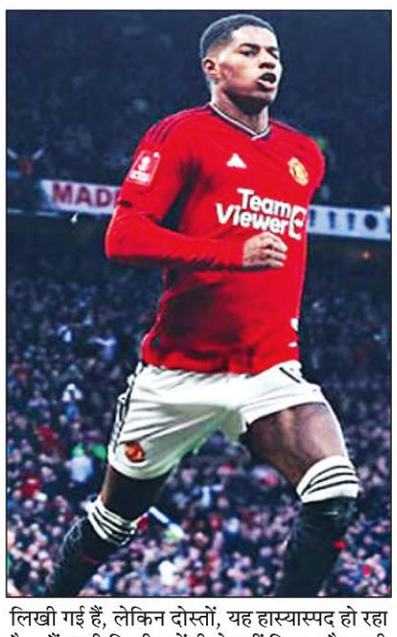

लिखी गई हैं, लेकिन दोस्तों, यह हास्यास्पद हो रहा है - मैं कभी किसी एजेंसी से नहीं मिला और न ही मेरी कोई योजना है। टीम के भीतर रैशफोर्ड की स्थिति तब बदल गई जब एमोरिम ने 15 दिसंबर को मैनचेस्टर डर्बी की जीत से पहले उन्हें टीम से बाहर करने का आश्चर्यजनक निर्णय लिया।

हाल ही में, एमोरिम ने बताया कि रैशफोर्ड खेलने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें अभी के लिए किनारे पर रखने का फैसला किया है। एमोरिम ने स्काई स्पोर्ट्स के हवाले से कहा, हाँ, यह मेरा निर्णय है। वह खेलना चाहता है, वह कोशिश कर रहा है, लेकिन यह मेरा निर्णय है, केवल मेरा निर्णय।

मैंने बहुत से खिलाड़ियों से बात की, व्यक्तिगत रूप से और प्रशिक्षण के दौरान। मैं इसे अपने तरीके से कर रहा हूँ, और यह एकमात्र तरीका है जो मुझे पता है। अगर मैं ऐसा नहीं करता, तो मैं खुद को खो देता हूँ, और मैं खुद को खोना नहीं चाहता। मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूँ। रैशफोर्ड को बाहर किए जाने के बावजूद, एमोरिम ने आश्वासन दिया कि टीम के बाकी सदस्य इस निर्णय से अप्रभावित रहेंगे।

उन्होंने कहा, किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह, वे सर्वश्रेष्ठ हो सकते हैं। यदि आपके पास बड़ी प्रतिभा, बड़ा प्रदर्शन, बड़ी जिम्मेदारी है, तो इस समय सभी को आगे बढ़ाएं। कुछ लोगों के पास यहां बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वे लंबे समय से यहां हैं।

विश्व पटल पर कराटे खिलाड़ी बढ़ा रहे देश का मान-सम्मान : शिहान परमजीत सेवा सिंह

नई दिल्ली

आज के समय में मार्शल आर्ट और कराटे की शिक्षा का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इसका सबसे प्रमुख कारण आत्मरक्षा है। आत्मरक्षा के साथ-साथ शरीर को स्वस्थ और अनुशासित रखने के लिए भी लोग कराटे आदि खेलों की ट्रेनिंग लेते हैं। इस खेल के जरिए कई दिग्गज दुनियाभर में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्हीं में से एक वर्ल्ड कराटे फेडरेशन के रेफरी और कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता शिहान परमजीत सेवा सिंह हैं। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार को दिए एक साक्षात्कार में कराटे खेल को लेकर खुल कर बात की, प्रस्तुत है बातचीत के मुख्य अंश ---- खेल के नियमों को लेकर आप कैसे सचेत और अप-टू-डेट रहते हैं वर्ल्ड कराटे फेडरेशन समय-समय पर नियमों को लेकर अपडेट करता है। इसके लिए सेमिनार का भी आयोजन किया जाता है। जिसमें भारतीय कराटे फेडरेशन के अधिकारी शामिल होते हैं और नियमों में हुए चेंजेज या अपग्रेडेशन के बारे में बताते हैं। आपको क्या लगता है कि कराटे की लोकप्रियता के सापेक्ष खिलाड़ी इसमें पदक भी ला पा रहे हैं कराटे व्यक्तिगत स्पर्धा है। भारतीय खिलाड़ी एशियन गेम्स और साउथ एशियन गेम्स में पदक ला रहे हैं। वर्ल्ड यूथ में हमारे लाड़ियों ने परचम लहराया है। कराटे को देश में आगे बढ़ने में क्या सरकार से कोई मदद मिल पा रही है सरकार की तरफ से काफी सहायता मिल रही है। सरकार द्वारा खेल के लिए दिये गए बजट और कार्यक्रम का हम पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। चूंकि हमारे दो तीन फेडरेशन और हैं, जिससे हमें सहायता सीधे नहीं मिल पा रही है।

भारतीय ओलंपिक संघ और भारत सरकार द्वारा यदि हमें रिकोगनाइज किया जाता है और ओलंपिक एथलीटों की तरह सरकार की तरफ से 10 साल की तैयारी का मौका मिलता है तो हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं, वो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए और अच्छा अच्छा कर सकते हैं। आपको कभी लगा कि क्रिकेट या अन्य खेलों की तरह कराटे को लेकर दर्शकों की कमी रहती है कराटे को लेकर लोगों में जागरूकता काफी बढ़ी है। जहां तक बात दर्शकों की है तो हां इसके लिए दर्शक अपना समय और पैसा खर्चने को तैयार हैं। टोक्यो में कराटे एक इवेंट था और ऑनलाइन में कराटे को देखने वाले लोगों की संख्या सबसे ज्यादा थी। टीवी पर अन्य खेलों की अपेक्षा कराटे को अभी उतनी लोकप्रियता नहीं मिली है, दिक्कत क्या है जैसे बॉक्सिंग में केवल एक ही रिंग होता है, उसी प्रकार क्रिकेट एक मैदान पर खेला जाता है। लेकिन कराटे के साथ ऐसा नहीं है। कराटे कम समय में कई एज ग्रुप में विभिन्न रिंग में एक साथ खेला जाता है। शायद दर्शकों को बंटने की एक ये भी वजह हो सकती है। अभी राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में हमें चार रिंग लगाने पड़े, जिससे जो पैरेंट्स या दर्शक आए वो बंट गए। वैसे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कराटे इवेंट को दूरदर्शन पर बाकी खेलों से ज्यादा व्यूवरशिप मिली। कराटे के नाम पर फर्जी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। ऐसे में कई बार आयोजनकर्ता और पदक विजेता खिलाड़ी खुद को ठगा महसूस करते हैं और बाद में खेल ही छोड़ देते हैं। इसे रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए यदि हमें भारत सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा मान्यता मिल जाती है, तो कोई भी अपनी मन मर्जी से कोई भी प्रतियोगिता का आयोजन नहीं कर सकेगा। संगीत में जैसे घराने होते हैं, वैसे ही कराटे में कई घराने होते हैं, जिसे स्टाइल बोलते हैं, तो सभी घरानों के अपने इवेंट होते हैं, उन इवेंट में अगर बच्चों को नहीं खिलाएंगे तो डायरेक्ट मेन सर्किट में वो अच्छा नहीं खेल पाएंगे। हालांकि पेरेंट्स को भी किसी भी इवेंट में बच्चों के भेजने से पहले रिसर्च कर लेना चाहिए कि इवेंट किस स्तर का है। कराटे का खेल अपने खिलाड़ियों के भविष्य को कैसे सुरक्षित करता है दरअसल, तमाम अन्य खेलों की तरह कराटे के मेडल विजेताओं को भी सरकारी नौकरियां मिलती हैं। यही नहीं, कॉलेजों में प्रवेश के लिए भी खेल कोटे के तहत कराटे के खिलाड़ियों लाभ मिलता है। कराटे में पदक जीतने की उम्मीदों को भारतीय नजरिए से कैसे देखते हैं कराटे युवा रूचि का खेल है। इसलिए यह कहना गलत

स्वाद और सेहत का एक ग्लास

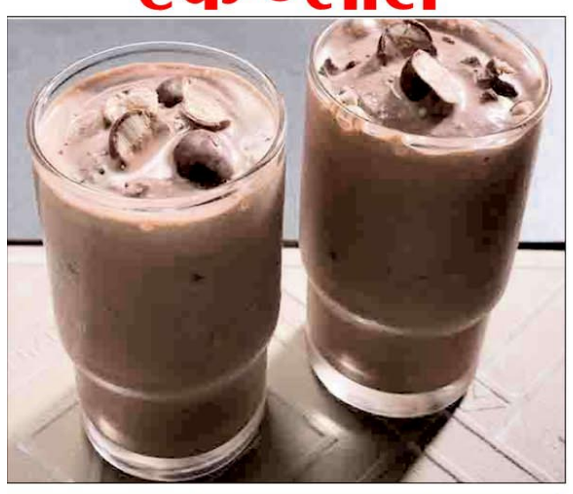

चॉकलेट आइसक्रीम मिल्कशेक टेस्ट में ट्विस्ट- क्रीम चीज नहीं डालने पर भी आपको टेस्टीऔर क्रीमी टेक्सचर मिलेगा। इसमें चीनी का इस्तेमाल बिलकुल भी न करें। चॉकलेट कुकीज की जगह चॉकलेटआइसक्रीम डाली जा सकती है।

ऐसे करें ब्लेंड -ब्लेंडरमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर हलका ब्लेंडकरें।

सॉल्टेडकैरेमलमिल्कशेक टेस्ट में ट्विस्ट

कैरेमल सॉसकी जगह ऑरेंजया स्ट्रॉबेरीसॉसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें क्योंकि आइसक्रीम और सॉसमें पहले से चीनी की अधिक मात्रा होती है।

ऐसे करें ब्लेंड- ब्लेंडरमें प्रेट्जल को छोडकर बाकी सामग्री डालें और ब्लेंड करें। अब कैरेमल सॉस को ग्लास में डिजाइन बनाते हुए डालें। ग्लास के ऊपर से सॉल्टेड प्रेट्जल को सेट करें।

पीनटबटर ब्राउनी टेस्ट में ट्विस्ट

पीनट बटर हमारी सेहत के लिए जरूरी है। इसमें थोडा सा दालचीनी पाउडर ऐड कर टेस्ट बढाया जा सकता है। इस मिल्कशेक में आइसक्रीम को एवॉइडभी किया जा सकता है।

ऐसे करें ब्लेंड- ब्लेंडरमें आइसक्रीम को छोडकर सभी चीजें ब्लेंड करें। ग्लास में सर्व करते समय वैनिला आइसक्रीम के स्कूप को सेट करें। टॉपिंग्स के लिए ब्राउनी और आमंड डालकर सेट करें।

मिंट व्हाइटचॉकलेट टेस्ट में ट्विस्ट

इसमें दूध और मिंट का इस्तेमाल करें। इसमें चीनी की जगह शहद डाल सकते हैं। जरूरत हो तभी आइसक्रीम ऐड कीजिए, आइसक्रीम को क्रीमीऔर टेस्टीफ्लेवरके लिए डाला जाता है।

ऐसे करें ब्लेंड-ब्लेंडरमें सब सामग्री एक साथ डालकर हलका ब्लेंडकरें। गार्निशिंगके लिए मिंट सीरप से सजाएं और ठंडा-ठंडा सर्व करें।

क्रॉकरी के बदलते अंदाज

पार्टी में क्रॉकरी का विशेष महत्तव है. आज बाजार में हर अवसर और हर प्रयोजन के लिए खूबसूरत रंगों और डिजाइनों में सुंदर, फैंसी एवं टिकाऊ क्रॉकरी उपलब्ध है. क्रॉकरी में आकार, रंग और डिजाइन का विशेष महत्त्व है. पहले क्रॉकरी के निश्चित आकार व डिजाइन होते थे- छोटी व बड़ी प्लेटें, छोटीबड़ी कटोरियां. डिश प्लेटें थोड़ी चपटी लेकिन गोल होती थीं. सर्विंग बाउल्स भी गोल होते थे. यानी राउंड शेप का बोलबाला था. राइस प्लेट कभी कभार ओवल शेप की होती थी.

खूबसूरत रंग व डिजाइन में उपलब्ध

रंगों की बात करें तो रंगों ने टेबलवेयर और क्रॉकरी के अंदाज को ही बदल दिया है. आज सफेद की जगह ब्राइट रैड, ब्लू, औरेंज, ब्लैक जैसे रंगों ने ले ली है. 2 या 3 रंगों से बने खूबसूरत डिजाइनों से सजी क्रॉकरी व टेबलवेयर्स पार्टी की शोभा बढ़ाते हैं. डिजाइन की दुनिया में तो जैसे क्रांति आ गई है. आज फूलों वाली और बार्डर वाली क्रॉकरी की जगह मौडर्न आर्ट ने ले ली है. नामीगिरामी कलाकारों द्वारा तैयार किए गए डिजाइन आज क्रॉकरी पर आजमाए जा रहे हैं. पहले गिलास स्टैंडर्ड साइज के होते थे, 200 मि.ली. के. लेकिन आज गिलासों के साइज में ही नहीं उन के मैटेरियल, आकार और डिजाइन में भी रोमांचक बदलाव आए हैं. पहले गिलास सिर्फ पारदर्शी कांच के ही होते थे, लेकिन कुछ कंपनियों ने बोनचाइना और कांच जैसी फिनिश वाले प्लास्टिक के गिलास भी बाजार में उतारे हैं, जो न केवल देखने में खूबसूरत हैं बल्कि स्टैनप्रूफ भी हैं. गिलास कई साइजों और आकारों में मिलते हैं- लंबे और पतले, छोटे, मोटे, नाटे, राउंड, स्क्वैयर आदि. पार्टी में बहुत बड़े गिलास न रखें, इस से पानी और कोल्ड ड्रिंक्स की बरबादी होती है। चाय या कौफी के मग की बात करें तो बाजार में जा कर समय में नहीं आता कि क्या खरीदें और क्या छोड़ें. सैकड़ों प्रकार के खूबसूरत रंगों और डिजाइनों के कप और मग हमें अपनी ओर आकर्षित करते हैं.

ध्यान देने योग्य बातें

पार्टी के लिए क्रॉकरी व टेबलवेयर्स का चयन करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है.

- पार्टी के लिए आधुनिक किस्म की क्रॉकरी का ही चयन करें.
- आधुनिक क्रॉकरी आज के समय की मांग के अनुसार हर प्रकार से फिट होती है जैसे कि माइक्रोवेव, डिशवाशर, सेफ कुक ऐंड सर्व यानी एक ही बरतन में खाना पकाओ और सर्व करो. इस से बरतनों की खपत बहुत कम हो जाती है. इन बरतनों में रखे खाने को ठंडा होने पर तुरंत माइक्रोवेव में गरम किया जा सकता है.
- दूसरी जरूरी बात है क्रॉकरी का ड्यूरेबल यानी टिकाऊ होना. अगर पार्टी में बच्चे अधिक हों तो कांच या बोनचाइना कीक्रॉकरी के प्रयोग से बचें. ऐसे में अनब्रेकेबल क्रॉकरी का प्रयोग करें. प्लास्टिक या मैलामाइन की अनब्रेकेबल क्रॉकरी को समेटना, सहेजना और साफ करना बहुत आसान होता है, टूटफूट की कोई गुंजाइश नहीं होती. सब से जरूरी बात है क्रॉकरी व टेबलवेयर का स्टैनप्रुफ होना. स्टैनप्रुफटेबलवेयर हमेशा नए जैसे दिखते हैं. कांच और सिरेमिक्स की क्रॉकरी में तो यह खतरा नहीं रहता लेकिन प्लास्टिक और मैलामाइन की अनब्रेकेबल क्रॉकरी को अगर तुरंत साफ न किया जाए तो प्लेटों, डोंगों और कटोरियों में हलदी के दाग पड़ जाते हैं, जो कभी नहीं छूटते.
- आज बाजार में अच्छे किस्म की स्टैनप्रुफ अनब्रेकेबल क्रॉकरी उपलब्ध है, जो थोड़ी महंगी जरूर है लेकिन सालोंसाल नई जैसी दिखती है. बोनचाइना, सिरैमिक्स और कांच की क्रॉकरी देखने में अति विशिष्ट दिखाई देती है. इस क्रॉकरी का प्रयोग ऐक्जीक्यूटिव किस्म की पार्टियों तक ही सीमित रखें.

जब बात हो लिपस्टिक की तो ऐसे करें यूज

लिपस्टिक न सिर्फ होंठों और चेहरे की सुंदरता को बढाती है बल्कि आत्मविश्वास को भी बढाने में मदद करती है। यह मेकअप का महत्वपूर्ण हिस्सा है इसलिए उसे लगाने का तरीका भी सही और खास होना चाहिए। वैसे तो लिपस्टिक के अनेक शेड मार्केट में उपलब्ध हैं लेकिन उसे खरीदते वक्त यह ध्यान रखना बेहद जरुरी है कि वह कौन सा शेड है, जो आपकी स्किन टोन पर सूट करेगा। अगर आप अपनी स्किन टोन को नहीं पहचानती हैं तो इसे पहचानने के लिए वेन टेस्ट करें।

अगर आपकी कलाई में नीले रंग की नसें दिख रही हैं तो इसका मतलब है कि आपका स्किन टोन कूल है। इस टोन के लोगों पर रेड, पेस्टल और ऑरेंज कलर्स बेहद अच्छे लगते हैं।

अगर नसें हरे रंग की दिख रही हैं तो यह वॉर्म टोन है। इस स्किन टोन की लडकियों पर रेड, ऑरेंज (रेड और ऑरेंज का ऐसा शेड जिसमें थोडा येलो टोन हो) और पिंक कलर्स अच्छे लगते हैं।

अगर कलाई की नसें ब्लू और ग्रीन दोनों कलर्स की दिख रही हैं तो यह न्यूट्रल टोन है। ऐसे लोग खुश किस्मत होते हैं, उन पर हर कलर अच्छा लगता है। वह किसी भी कलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। पर्पल और वाइन कलर्स उन पर अच्छे लगते हैं।

कैसे करें अप्लाई

स्टेप 1 लिपस्टिक को लगाने से ज्यादा जरुरी है उसका होंठों पर टिका रहना इसलिए होंठों पर इसे सीधे अप्लाई नहीं करें। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर लिप बाम लगाएं।

स्टेप 2 अब एक टूथब्रश की मदद से लिप्स पर जमी डेड स्किन की परत को अच्छी तरह क्लीन कर लें। छूकर देखेंगे तो आपको लिप्स स्मूद नजर आएंगे।

स्टेप 3 अब लिप्स पर कंसीलर या फिर पाउडर की एक परत अच्छी तरह फैला लें। एकसार करने के लिए ब्रश का यूज करें।

स्टेप 4 अब लिपलाइनर से होंठों के चारों तरफ एक लाइन खींचें और उसमें लिपस्टिक फिल करें। इन स्टेप्स को फॉलो करने से न केवल लिपस्टिक ज्यादा समय तक टिकेगी बल्कि होंठ भी आकर्षक दिखेंगे।

इन गलतियों से पड़ेगा दिमाग पर बुरा असर

भागदौड़ भरी जिंदगी में हर किसी को सिर दर्द की समस्या है। दिनभर सिर दर्द रहने से दिमाग की कार्य क्षमता कंम होने लगती है और हम दिमागी रुप से कमजोर हो जाते है। अक्सर लोग सिर दर्द की समस्या को इग्नोर करके कोई भी दवाई का सेवन करने लगते है लेकिन आपने कभी अपने सिर दर्द की वजह जानने की कोशिश की है। दरअसल, हम अपनी रोजमर्रा जिंदगी में ऐसी गलतियां कर बैठते है, जिससे सिर दर्द की समस्या बढ़ जाती है। आज हम आपको उन्हीं गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनमें सुधार करना बहुत जरूरी है।

अकेले रहना

अगर आप ज्यादातर अकेले रहते है तो अपनी इस आदत को सुधार लें। अकेले रहने से दिमाग में कई विचार चलते रहते है, जो अच्छे और बुरे होते है। इनका ब्रेन पर काफी असर पड़ता है, जिससे सिर दर्द जैसी समस्या रहती है।

तेज आवाज में गाने सुनना

अगर आप घंटो तेज आवाज में हेडफोन लगाकर गाने सुनते है तो इसका असर आपको कानों पर ही नहीं, बल्कि दिमाग पर

भी पड़ता है। तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिशूज पर असर पड़ता है।

एक्टिव न रहना

अगर आप अपने शरीर को हरकत में नहीं लाते और रोज कोई एक्टिविटी नहीं करते तो इससे डायबिटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रैशर की समस्या रहती है, जिससे ब्रेन को काफी नुकसान होता है।

स्मोकिंग

स्मोकिंग करने से शरीर में की हॉर्मोनल कैमिकल्स रिलीज होते है, जिनसे खून गाढ़ा हो जाता है और ब्लड ब्रेन तक सप्लाई नहीं हो पाता।

अधिक जंक फूड्स

ज्यादा मात्र में जंक फूड्स खाने से भी दिमाग पर असर पड़ता है। जंक फूड्स में सोडियम की मात्र अधिक होती है, जो ब्रेन को नुसान पहुंचाता है। इसके सेवन से सिर दर्द, उल्टी जैसी समस्या हो सकती है।

पर्याप्त नींद न लेना

दिन में पर्याप्त नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता, जिस वजह से धीरे-धीरे काम करने की क्षमता कम होने लगती है, जिसका दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

रेसिपी

ओट्स इडली

सामग्री

ओट्स - 1 कप, रवा - 1/2 कप, दही - 1/2 कप, अपने पसंद की सब्जियां - जरूरत अनुसार , पानी - 1/2 कप , नमक - 1 छोटा चम्मच , इनो फ्रूट सॉल्ट - 1/2 छोटा चम्मच ,नींबू - 1 , हरी मिर्च, बारीक कटी- 2 नग, कटा हरा धनिया - 1 चम्मच ,कटा हुआ अदरक - 1 छोटा चम्मच , तड़का लगाने के लिये तेल - 1 बड़ा चम्मच, सरसों - 3/4 छोटा चम्मच, उड़द की दाल - 1 छोटा चम्मच , चना दाल - 1 छोटा चम्मच, कडी पत्ते - 1 गुच्छा,

विधि

सबसे पहले ओट्स को किसी गरम पैन में 3 मिनट के लिये रोस्ट कर लें. फिर उसे ठंडा कर के मिक्सी में पीस कर पाउडर बना लें. अब पैन को गैस पर चढा कर उसमें तेल गरम करें. फिर उसमें तड़के वाली सामग्रियां डझल कर बाद में सब्जियां डालें. फिर उसमें अदरक, हरी मिर्च, धनिया डाल कर फाई करें. उसके बाद इसमें रवा डालें और फाई करें. अब इसे मिक्सी में डालें और उसमें ओट्स पावडर, दही, नींबू का रस तथा पानी डाल कर इडली के लिये घोल तैयार करें. मिक्सी से घोल निकाल कर उसमें इनो डालें. इससे आपकी इडली बिल्कुल फूली हुई बनेगी. अब इस घोल को इडली बनाने वाले सांचे में डालें और इडली को 10-15 मिनट के लिये पकाएं. सांचे में हमेशा तेल लगा लेना चाहिये नहीं तो इडली चिपक जाएगी. जब इडली हो जाए तब इसे थोड़ा ठंडा होने के बाद सर्व करें.

र सीजन में सेफ एंड हेल्दी वेडिंग मेकअप

दुल्हन के लिए यह ज़रूरी है कि वेडिंग के दौरान उसकी त्वचा स्वस्थ, चमकदार व आकर्षक नज़र आए। इसके लिए वह रोज़ाना क्या-क्या करे, आइए इसके बारे में जानें..

तैलीय त्वचा

अगर आपकी त्वचा बेहद तैलीय है तो चेहरे को दो से तीन बार ऑयल-फ्री मॉइश्चराइजर से धोएं। पंद्रह दिनों में एक बार नियमित रूप से फेशियल कराएं। फेशियल सूट न करता हो तो चेहरे पर क्लीन-अप करवाएं। फेशियल या क्लीन-अप लेने से त्वचा की गंदगी निकल जाती है और वह चमकदार व कोमल दिखने लगती है। इसलिए इन दिनों कोशिश करें कि प्रदूषण और धूल-मिट्टी के सीधे संपर्क में न आएं। इससे मुंहासों का डर नहीं रहेगा और त्वचा साफ-सुथरी नज़र आने लगेगी।

रूखी त्वचा

अगर आपकी त्वचा रूखी है तो सोप, एल्कोहॉल बेस्ड क्लींज़र और स्क्रब का इस्तेमाल भूलकर भी न करें। दूध से बने मॉइश्चराइजर या क्रीम का इस्तेमाल करें। चेहरा साफ करने के लिए शहद और ग्लिसरीन युक्त फेसवॉश का इस्तेमाल करें। इससे त्वचा पर रेडनेस, रूखापन और किसी प्रकार की एलर्जी नहीं होगी। त्वचा साफ व खिली-खिली दिखेगी।

सामान्य, मिश्रित त्वचा

कई लोगों की त्वचा मिश्रित होती है, यानी चेहरे के किसी हिस्से में ऑयली तो किसी जगह ड्राई। ऐसे में मलाई, हल्दी और गुलाबजल को एक साथ मिलाकर लगाने से त्वचा चमकदार बनी रहती है। अगर आपकी त्वचा भी सामान्य है तो अत्यधिक मेकअप करने से बचें। मेकअप करना ही पड़े तो किसी अच्छे क्लींज़र से उसे साफ करना न भूलें। यह उपाय दोनों ही तरह की त्वचा पर काम करेगा।

कॉन्टूरिंग

यह चरण अकेले ही आपके पूरे चेहरे को बदलकर रख देता है। यह आपके गोल चेहरे को भी शार्प बना देता है। बेस मेकअप करने के बाद आप कॉन्टूरिंग शुरू कर सकती हैं। इस मेकअप को लगाने से सबसे पहले ब्रांउजिंग पाउडर का इस्तेमाल करें और फिर इसे हल्का हल्का लगाएं। अपने चिकबोन के नीचे भी आप ब्राउंजर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके बाद ब्राउंजर को हेयरलाइन पर लगाकर अपने चौथे माथे को छुपा सकती हैं। इसके अलावा बाकि बचे हुए मेकअप को जिस तरह से किया जाता है वैसे ही करें।

कौर्न व दाल के डंपलिंग

सामग्री

100 ग्राम पनीर क्यूब्स
200 ग्राम पास्ता उबला हुआ
पुदीना कटा हुआ
अनन्नास ताजा कटा हुआ
शिमलामिर्च लाल व पीली कटी हुई
प्याज कटा हुआ
1/2 कप इटैलियन सौस
1/4 छोटा चम्मच कालीमिर्च
नमक स्वादानुसार

विधि

एक कटोरे में सभी सब्जियां व उबला पास्ता सौस के साथ अच्छी तरह मिलाएं. फिर नमक व कालीमिर्च मिलाएं. इसे फ्रिज में रखें फिर ठंडा परोसें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**